twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 09 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 207, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मणिपुर में फिर जमकर बवाल, कई इलाकों में हिंसा

इंफाल
सीबीआई ने रविवार को मणिपुर के इंफाल एयरपोर्ट से मैतेई संगठन अरम्बाई तेंगगोल (एटी) के एक कार्यकर्ता कनन सिंह को गिरफ्तार किया। उस पर 2023 के मणिपुर जातीय हिंसा से जुड़े कई आपराधिक मामलों में शामिल होने का आरोप है। इस गिरफ्तारी के बाद कनन सिंह को तुरंत गुवाहाटी ले जाया गया, जहां उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और पुलिस रिमांड मांगी जाएगी। मामले में सीबीआई ने बताया कि गिरफ्तारी की सूचना उनके परिवार को दे दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मणिपुर हिंसा के मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। सुरक्षा कारणों से इन मामलों की सुनवाई मणिपुर से हटाकर गुवाहाटी ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं कनन सिंह की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही इंफाल शहर में तनाव फैल गया। प्रशासन ने इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, बिष्णुपुर और ककचिंग जिलों में धारा 144 लागू कर दी है। इसके साथ ही इंटरनेट, मोबाइल डेटा, वीएसएटी और वीपीएन सेवाएं भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। शनिवार रात प्रदर्शनकारियों ने क्वाकैथेल और उरीपोक इलाकों में टायर और पुराना फर्नीचर जलाकर सड़कें जाम कीं। कई जगहों पर सुरक्षा बलों के साथ उनकी झड़पें भी हुईं। इंफाल ईस्ट के खुरई लामलोंग इलाके में एक भीड़ ने एक बस को आग के हवाले कर दिया।

2023 से हिंसा, सीएम का इस्तीफा और राष्ट्रपति शासन
बता दें कि, मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के 9 फरवरी 2024 को इस्तीफा देने के बाद केंद्र सरकार ने 13 फरवरी 2024 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

अगले साल तमिलनाडु-बंगाल में सरकार बनाएगी एनडीए: शाह

यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरूआत का संकेत है: शाह

मदुरै
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मदुरै में कहा कि अगले साल तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में जनता द्रमुक को हराएगी। उन्होंने कहा कि साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और अन्नाद्रमुक मिलकर एनडीए सरकार बनाएंगे। शाह ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरूआत का संकेत है। अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु की जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। अमित शाह ने कहा, यहां 2026 में बीजेपी-एआईएडीएमके गठबंधन की एनडीए सरकार बनेगी। एम.के. स्टालिन कहते हैं कि अमित शाह द्रमुक को हरा नहीं सकते। वह सही कह रहे हैं, मैं नहीं, बल्कि तमिलनाडु की जनता आपको हराएगी। शाह ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारी की समीक्षा भी की और राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, तमिलनाडु की जनता द्रमुक सरकार के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

भाजपा के कार्यकर्ता हर गली, मोहल्ले और घर तक पहुंचेंगे और (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए का विकसित और समृद्ध तमिलनाडु का दृष्टिकोण लोगों तक पहुंचाएंगे। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में तमिलनाडु को 6.80 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। फिर भी मुख्यमंत्री स्टालिन पूछते हैं कि केंद्र ने राज्य के लिए क्या किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन को चुनौती दी कि वह बताएं क्या उन्होंने 2021 के चुनाव में द्रमुक की ओर से किए गए सभी वादों को पूरा किया है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में शराब बिक्री घोटाले के बराबर पैसे से हर स्कूल में कम से कम दो कक्षाएं बनाई जा सकती थीं।

शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन की घोषणा की थी

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने तमिल भाषा में न बोल पाने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी चाहता हूं क्योंकि मैं भारत की सबसे महान भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता। अप्रैल में तमिलनाडु दौरे के दौरान शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ फिर से गठबंधन की घोषणा की थी।
अपने संबोधन में भाजपा के राज्य अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने द्रमुक सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिमी कोगु क्षेत्र के गांवों में बुजुर्गों की लक्षित हत्या को लेकर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए।

मेडिकल-इंजीनियरिंग की पढ़ाई जल्द ही तमिल भाषा में शुरू की जाए: शाह

अमित शाह ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में शराब बिक्री घोटाले के बराबर पैसे से हर स्कूल में कम से कम दो कक्षाएं बनाई जा सकती थीं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं तमिलनाडु सरकार से एक बार फिर अपील करता हूं कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई जल्द ही तमिल भाषा में शुरू की जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में सेंगोल स्थापित कर तमिलनाडु का सम्मान किया है, और मैं उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री स्टालिन उन्हें इसके लिए धन्यवाद देने के लिए पत्र लिखेंगे। गृह मंत्री शाह ने दिन की शुरूआत प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन से की, जहां उन्होंने पूजा की और मंदिर के पुजारियों ने उन्हें पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्री ने कई बार स्पष्ट किया है कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा और इस मुद्दे पर उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। जनगणना 2021 में कराई जानी थी और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन कोरोना महामारी फैलने के कारण इसे टालना पड़ा।

परिसीमन में संबंधित पक्षों से होगी चर्चा

नई दिल्ली
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि जनगणना आधारित परिसीमन प्रक्रिया में दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा और उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। गृह मंत्रालय (एमएचए) के प्रवक्ता ने यह बयान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की ओर से उठाई गई उस चिंता के एक दिन बाद दिया, जिसमें उन्होंने 2026 के बाद होने वाले परिसीमन से दक्षिण भारत की संसदीय सीटों में संभावित कटौती का सवाल उठाया था।
गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्री ने कई बार स्पष्ट किया है कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा और इस मुद्दे पर उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। जनगणना 2021 में कराई जानी थी और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन कोरोना महामारी फैलने के कारण इसे टालना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा कि महामारी के प्रभाव काफी समय तक बने रहे और इसने शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में बाधा पैदा की। उन्होंने कहा, जनगणना कराने के लिए करीब 30 लाख गणनाकताओं की जरूरत होती है। ये गणनाकर्ता मुख्य रूप से प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक होते हैं और इस प्रक्रिया में उनकी भूमिका सबसे अहम होती है। कोरोना महामारी के बाद अगर जनगणना कराई जाती, तो इससे प्राथमिक शिक्षा पर बहुत बुरा असर पड़ सकता था।

झुग्गी को लेकर कोर्ट के आदेश पर सरकार और प्रशासन कुछ नहीं कर सकता: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को जेजे क्लस्टर नेहरू कैंप हैदरपुर में 24 सीटर जन सेवा शिविर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।
मुख्यमंत्री इस मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि अगर कोर्ट ने झुग्गियों के लिए आदेश दिया है तो इसमें न सरकार और न ही प्रशासन कुछ कर सकता है। उन्होंने कहा कि मद्रासी कैंप बारापुला नाले के किनारे बसा है। कोर्ट ने इस झुग्गी को हटाने का आदेश दिया है, ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें लगाई जा सकें। सरकार और प्रशासन कोई भी कोर्ट के आदेश की अवहेलना नहीं कर सकता। उस कैंप के निवासियों को पक्के घर आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर नाले के किनारे की झुग्गी नहीं हटाई गई तो दिल्ली में 2023 वाली बाढ़ आने की आशंका बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दिल्ली में झुग्गी वालों को पक्के मकान नहीं मिलेंगे तब तक सरकार दिल्ली की सभी झुग्गियों में बुनियादी सुविधाएं का विकास करती रहेगी। सरकार झुग्गी वालों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को दिल्ली की जनता की चिंता है। पूरी दिल्ली में 700 करोड़ की लागत से काम चल रहे हैं, जो न कभी आम आदमी पार्टी की सरकार ने किए और न ही कांग्रेस की सरकार ने किए।

पूर्व चीफ जस्टिस खन्ना ने जस्टिस वर्मा से मांगा था इस्तीफा

नहीं दिया तो पद से हटाने की सिफारिश की

नई दिल्ली
पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने इनहाउस रिपोर्ट के आधार पर जस्टिस यशवंत वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था। इसके लिए राजी ने होने पर सीजेआई खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद के मानसून सत्र में प्रस्ताव ला सकती है। कानूनी जानकारों के मुताबिक अगर वे इस्तीफा देते हैं तो उन्हें रिटायर्ड जज की तरह पेंशन और अन्य लाभ मिलेंगे।

संसद में प्रस्ताव लाकर हटाए जाने पर पेंशन वगैरह कुछ नहीं मिलेगा। दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर सर्विस टीम को बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। मामला बढ़ने पर उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि, उन्हें कोई भी न्यायिक काम नहीं दिया जा रहा है।

संसद में मौखिक इस्तीफा भी दिया जा सकता है कानूनी जानकार बताते हैं कि जस्टिस वर्मा संसद के किसी भी सदन में सांसदों के सामने अपना पक्ष रखते हुए पद छोड़ने की घोषणा कर सकते हैं। उनके मौखिक बयान को ही इस्तीफा मान लिया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट का जज राष्ट्रपति को अपना साइन किया त्यागपत्र दे सकते हैं। जज के इस्तीफे के लिए किसी अनुमोदन जरूरत नहीं होती। जज अपनी चिट्ठी में पद छोड़ने की तारीख भी लिख सकते हैं। ऐसे मामले में वे उस तारीख से पहले इस्तीफा वापस भी ले सकते हैं।

देश में 6000 से अधिक कोरोना के एक्टिव मामले

नई दिल्ली
कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की जारी लहर इन दिनों दुनियाभर के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। हांगकांग और सिंगापुर से शुरू हुए संक्रमण के मामले भारत में भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। करीब 15 दिनों के भीतर ही भारत में कोरोना के एक्टिव मामले 30 गुना तक बढ़ गए हैं। 22 मई को कुल एक्टिव केस 257 थे जो 8 जून तक बढ़कर 6133 हो गए हैं। रोजाना कोरोना से मौत के मामले भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं, कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि चिंता का विषय जरूर है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। देश में फैल रहा सब-वैरिएंट ओमिक्रॉन स्ट्रेन फैमिली का ही है, जिसके लक्षण अधिकतर लोगों में हल्के, कुछ लोगों में एसिम्टोमेटिक और आम जनता के लिए काफी हद तक हानिरहित है। हालांकि सभी लोगों को बचाव के उपायों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है उनमें इस संक्रमण का असर नहीं हो रहा है, पर चिंताजनक बात ये है कि संक्रमित व्यक्ति वायरस का वाहक जरूर हो सकता है, जिससे उन लोगों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है जो पहले से बीमार हैं या बुजुर्ग हैं, ऐसे लोगों में गंभीर रोग विकसित हो सकता है इसलिए जरूरी कि सभी लोग संक्रमण से बचने के उपाय करते रहें। अब सवाल उठता है संक्रमण फैलने की जो गति देश में देखी जा रही है, क्या उसे ध्यान में रखते हुए एक बार फिर से मास-वैक्सीनेशन जरूरी हो गया है?

कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर क्या कहते हैं विशेषज्ञ?
भारत ने जनवरी 2021 में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू किया। कोविन डैशबोर्ड के अनुसार, अब तक देश में कोविड-19 वैक्सीन की 220 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं।

गुर्जर महापंचायत में दो फाड़, नाराज युवा गुट ने रोकी ट्रेन

भरतपुर
पीलूपुरा में चल रही गुर्जर महापंचायत को लेकर समाज में दो गुट बन गए हैं। संयोजक विजय बैसला ने महापंचायत समाप्ति की घोषणा कर दी, क्योंकि सरकार का मसौदा सुनकर वरिष्ठों ने निर्णय लिया था। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट मसौदा पर बनी सहमति। इस फैसले से नाराज युवाओं ने रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन को रोक दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकरियों का कहना है कि हम विजय बैसला का निर्णय नहीं मानते। यह महापंचायत शहीद स्मारक कारवारी पीलूपुरा में आयोजित की गई थी। पंच पटेल युवाओं को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि युवाओं का कहना है कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है और स्थिति को संभालने का प्रयास किया जा रहा है। भरतपुर में बयाना के पीलूपुरा में अप्रत्याशित रूप से महापंचायत समाप्त होने के बाद गुर्जर समाज के लोगों ने मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर मथुरा गंगापुर ट्रेन को रोका है।
ट्रैक पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम विजय बैसला की बात को नहीं मानते, जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, ट्रेन को नहीं जाने देंगे।

जनता ने राहुल को नकारा, वे जनादेश नकार रहे: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई
महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से लगाए गए 'मैच फिक्सिंग' के आरोपों ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राहुल गांधी ने एक अखबार में लेख लिखकर चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए, जिसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है।

सीएम फडणवीस ने राहुल गांधी पर साधा निशाना
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'मैं राहुल गांधी से बस एक बात कहना चाहता हूं कि वो पूरी जिंदगी एक ही गलती करते रहे, गंदगी उनके चेहरे पर थी, लेकिन वो आईना साफ करते रहे।' सीएम फडणवीस ने एक लेख के जरिए कहा कि राहुल गांधी जनता के फैसले को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए लोकतंत्र और चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता बार-बार जनमत का अपमान कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र को जानेंगे योग की भूमि के रूप में: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र को विश्व के मानचित्र पर योग भूमि के रूप में भी जानेंगे। इसके लिए प्रदेश सरकार की तरफ से 21 जून को कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा योग साधक पहुंचेंगे। इतना ही नहीं 21 जून को योग दिवस पर पूरे प्रदेश में 10 लाख से ज्यादा लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के साथ जुड़ेंगे। इन ऐतिहासिक और यादगार लम्हों को विश्व के कोने-कोने में देखा जा सकेगा।
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर के सभागार में जिला प्रशासन की तरफ से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ब्रह्मसरोवर और मेला क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा प्रबंधों को लेकर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य, पतंजलि योगपीठ के केन्द्रीय प्रभारी राकेश से फीडबैक लेकर चर्चा की है। इस योग महाकुंभ को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए है। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा का संकल्प दिलवाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में स्वच्छता और योग होगा तो देश गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रदेश में 27 मई से स्वच्छता अभियान चलाकर शुरू कर दिया गया है, 21 जून के आयोजन के लिए योग की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब यूएनओ में योग का प्रस्ताव रखा तो 177 देशों ने इस पर अपनी सहमति दी और हमारी धरा से निकाला योग विश्व में हर जन-जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने योग पद्धति को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होना चाहिए। योग किसी एक व्यक्ति या एक विचार का कार्यक्रम नहीं है। योग में हमारी प्राचीन विचारधारा सम्मिलित है, ऋषियों ने हमें उपहार के तौर पर योग और ध्यान दिया है। योग करने से मनुष्य हष्ट-पुष्ट रहता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को लेकर योग ऋषि स्वामी रामदेव ने योग को बनाए रखने का काम किया है।

भारत का लक्ष्य 5 मध्य एशियाई देशों के साथ मिलकर दुर्लभ खनिजों की खोज करना

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच नई दिल्ली में भारत-मध्य एशिया वार्ता की चौथी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में चीन के पृथ्वी पर पाए जाने वाले दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट के निर्यात पर रोक के बाद भारत और पांच मध्य एशियाई देशों ने दुर्लभ पृथ्वी खनिज (रेयर अर्थ) और महत्वपूर्ण खनिजों की संयुक्त खोज में रुचि व्यक्त की। नई दिल्ली में सितंबर 2024 में आयोजित पहले इंडिया-सेंट्रल एशिया रेयर अर्थ फोरम के परिणामों की सराहना करते हुए, मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द दूसरे इंडिया-सेंट्रल एशिया रेयर अर्थ फोरम बैठक आयोजित करने का आह्वान किया। मंत्रियों ने महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित किया। भारत सरकार घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को विकसित करना चाहती है और रेयर अर्थ मटीरियल के क्षेत्र में कंपनियों को उत्पादन-आधारित राजकोषीय प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। इस बीच, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच व्यापार और

निवेश के मौजूदा स्तर पर ध्यान दिया। साथ ही, आपसी व्यापार की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, ऊर्जा, कपड़ा, रत्न और आभूषण आदि क्षेत्रों में ठोस प्रयास करने के महत्व पर बल दिया। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्रियों ने भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच अधिक वित्तीय संपर्क के महत्व को रेखांकित किया, जिसमें डिजिटल भुगतान प्रणाली, बेहतर अंतर-बैंक संबंध और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार शामिल है। बयान के अनुसार, वित्तीय और बैंकिंग संबंधों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, पक्षों ने भारत और मध्य एशियाई भागीदारों के बीच बैंकिंग और वित्तीय संपर्क को गहरा करने के तरीकों का पता लगाने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह की स्थापना में भी रुचि व्यक्त की।मध्य एशियाई देशों ने डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक सेवा वितरण प्रदान करने में इंडिया स्टैक के महत्व पर ध्यान दिया। भारत ने मध्य एशियाई देशों में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) विकसित करने में सहायता प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रियों ने इंडिया-सेंट्रल एशिया डिजिटल पार्टनरशिप फोरम की स्थापना पर भी सहमति व्यक्त की और उद्घाटन बैठक की मेजबानी करने के लिए उज्बेकिस्तान के प्रस्ताव का स्वागत किया।

भाजपा ने असम से राज्यसभा के लिए कणाद पुरकायस्थ को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने असम से राज्यसभा चुनाव के लिए कणाद पुरकायस्थ को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने शनिवार को यह फैसला किया। असम से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव कराए जा रहे हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने एक सीट अपनी सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) को आवंटित की है। राज्यसभा की इन दो सीटों के लिए चुनाव 19 जून को होंगे, जिसके परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। चुनाव की अधिसूचना 02 जून को जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई, जो 09 जून तक चलेगी। भाजपा के मिशन रंजन दास और एजीपी के बीरेंद्र प्रसाद बैश्य के कार्यकाल पूरा होने के कारण इन दो सीटों पर चुनाव कराए जा रहे हैं। असम में राज्यसभा की सात सीटें हैं, जिनमें से छह पर भाजपा-नीत राजग का कब्जा है, जबकि एक सीट निर्दलीय के पास है।

देश में कोरोना के एक्टिव मामले बढ़कर हुए 5,755, पिछले 24 घंटे में चार की मौत

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। शनिवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 5,755 हो गई है। मंत्रालय के अनुासर पिछले 24 घंटे के दौरान देश में कोरोना के 391 मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे अधिक कोरोना के मामले आए हैं।

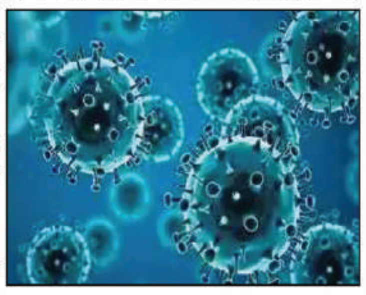

केरल में 24 घंटे में 127 मामले सामने आए हैं। यहां 1,806 सक्रिय मामले हैं। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली सबसे ज्यादा सक्रिय मामले हैं। बीते 24 घंटे में चार मरीजों की मौत हुई है। ये चार मौतें केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में हुई हैं। वहीं अब तक 5,484 लोग संक्रमित होने के बाद ठीक हो चुके हैं।

आरएसएस के झंडे में भारत माता की छवि प्रदर्शित करने को लेकर कुमार ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्यसभा सांसद पी. संदोष कुमार ने यहां हाल ही राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा इस्तेमाल किए गए झंडे में भारत माता की तस्वीर प्रदर्शित करने को लेकर राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। श्री कुमार ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित समारोह में भारत माता की छवि के एक विशेष संस्करण को प्रदर्शित करने के राज्यपाल के एकतरफा फैसले पर चिंता व्यक्त की है।

इसके कारण केरल के कृषि मंत्री पी. प्रसाद ने समारोह का बहिष्कार किया था। माकपा सांसद ने कहा, यह सिर्फ एक मामला नहीं है। कई राज्यों में राज्यपाल तेजी से भाजपा-आरएसएस के राजनीतिक एजेंटों की तरह व्यवहार कर रहे हैं और खुले तौर पर संवैधानिक ढांचे की अवहेलना कर रहे हैं। संविधान में राज्यपालों की तटस्थता, संयम और निर्वाचित सरकारों के प्रति सम्मान की बात कही गयी है। सांसद के पत्र में लिखा है, माकपा विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल द्वारा अधिकारों का बार-बार दुरुपयोग किये जाने की कड़ी निंदा करती है और संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन करने तथा संघीय मूल्यों को कमतर आंकने के लिए केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर को तत्काल वापस बुलाने की मांग करती है।

कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं: डॉ.वली

नई दिल्ली। पद्म पुरस्कार से सम्मानित एवं तीन राष्ट्रपतियों के निजी चिकित्सक रहे डॉ. मोहसिन वली ने कहा है कि देश में एक बार फिर बढ़ रहे काविड के मामलों से घबराने की नहीं बल्कि इसके संक्रमण से सावधान रहने और इससे बचने के उपाय करने की आवश्यकता है। जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. वली ने शनिवार को 'यूनीवार्ता' के साथ विशेष बातचीत में यह बात की। कोविड-19 को लेकर कई तरह की आशंकाओं से घिरे लोगों के लिए उन्होंने कहा,÷कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे हुई कुछ मौतों ने हमें सचेत कर दिया है। डॉ.वली ने कहा, यह एक रेस्पिरेटरी वायरस है, यह एक सार्स वायरस है ,यह कोविड-2 वायरस है और इसका जो आजकल वेरिएंट आ रहा है वह ओमीक्रॉल का वेरिएंट है। इसके स्पाइक प्रोटीन में बदलाव आ गया है और इसने सेल्स से चिपकने की शक्ति थोड़ा बढ़ा ली है। लेकिन हमें इस वायरस से नहीं ,इसके संक्रमण से सचेत रहना है। भारतीय सशस्त्र बलों के मानद सलाहकार डॉ. वली ने कहा कि संक्रमण से सचेत रहरने का मतलब यह है इससे बचने के लिए मास्क लगाना चाहिए, सेनेटाइजर का इस्तेमाल करना चाहिए और लोगों से दो मीटर की दूरी पर रहना चाहिए।उन्होंने कहा,÷ संक्रमण से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि कोविड 'एप्रोप्रिएट प्रोटोकॉल' का पालन करना है। बाहर से आकर सीधे छोटे बच्चों या बुजुर्गों के पास नहीं जाना है। अगर खांसी -जुकाम और बुखार तीन दिनों से ज्यादा हो तो डॉक्टर के पास जाकर कोविड का टेस्ट करवाना चाहिए। अगर टेस्ट पॉजिटिव आ जाये,तो घबराने की जरूरत नहीं है। अपने को 'आइसोलेट' रखें और डॉक्टर की सभी सलाह मानें। डॉ. वली ने कहा कि वायरस से संक्रमित ज़्यादातर लोगों को हल्की से मध्यम श्वसन संबंधी बीमारी होती है और उन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं होती।

प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री के आलेख को सोशल मीडिया पर किया साझा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एक लेख को साझा किया, जिसमें सीमापार आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति की पुष्टि की गई है। मोदी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा है कि भारत पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा और आतंकवादियों और उनके अपराधियों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री के एक्स पोस्ट पर साझा किए गए लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने एक्स पर लिखा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की पुष्टि की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया

जाएगा और आतंकवादियों और उनके अपराधियों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित लेख में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को मानवता के लिए अभिशाप बताया है। उन्होंने कहा कि यह क्रांति, शहादत और हिंसा के रोमांटिक दृष्टिकोण की भ्रामक धारणाओं पर पनपता है। उन्होंने कहा कि सच्ची स्वतंत्रता कभी भी भय और रक्तपात पर आधारित नहीं हो सकती। सिंह ने कहा कि भारत सरकार पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और निश्चित जवाबी कार्रवाई की नीति पर चल रही है।

उन्होंने वैश्विक समुदाय से आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से लड़ने के लिए पांच तरीके सुझाए और कहा कि सभी शांतिप्रिय देशों को इस खतरे को हमेशा के लिए मिटाने के लिए एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक मजबूत और दृढ़ देश है और इस खतरे के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार है।

फिल्म अभिनेता डीनो मोरिया को ईडी का समन

एजेंसी

मुंबई। मीठी नदी की सफाई में कथित तौर पर हुए भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शनिवार को अभिनेता डीनो मोरिया को समन भेजकर मोरिया को अगले सप्ताह जांच अधिकारी के सामने पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। सूत्रों के अनुसार मीठी नदी सफाई घोटाले मामले में ईडी की टीम ने डीनो मोरिया सहित 15 लोगों के आवास और कार्यालय पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान इस मामले के मुख्य आरोपित के बैंक खाते से डीनो मोरिया के बैंक खाते में लेन-देन का पता चला है। हालांकि डीनो मोरिया ने इस वित्तीय व्यवहार को पर्सनल बताया है। ईडी की टीम डीनो मोरिया के इस जवाब से संतुष्ट नहीं है, इसलिए ईडी ने डीनो मोरिया को आज समन जारी कर पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले मुंबई पुलिस इसी मामले में अभिनेता डीनो मोरिया से पूछताछ कर चुकी है। मीठी नदी से गाद

निकालने के घोटाले की जांच जब से तेज हुई है, तब से डीनो मोरिया की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उल्लेखनीय है कि मुंबई की मीठी नदी, जो शहर के लिए जल निकासी का एक अहम रास्ता है, उसकी सफाई के नाम पर 65 करोड़ रुपये का कथित घोटाला सामने आया है।

खाद्य जनित बीमारियों को कम करने में सुरक्षित और स्वच्छ भोजन की महत्वपूर्ण भूमिका: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनियाभर में आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने खाद्य जनित बीमारियों को कम करने में सुरक्षित और स्वच्छ भोजन की आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि भोजन वह ईंधन है जो हमें हर दिन आगे बढ़ने में मदद करता है। जब हम खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम अपने स्वास्थ्य और हर जगह परिवारों की भलाई की रक्षा कर रहे होते हैं। इस वर्ष की थीम, खाद्य सुरक्षा- विज्ञान की कार्रवाई, इस बात का जश्न मनाती है कि कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी हर स्तर पर हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा की रक्षा कर रही है।

उल्लेखनीय है कि खाने से होने वाले किसी भी तरह के खतरे को कम करने और उसे पकड़ने के लिए ही फूड सेफ्टी डे मनाया जाता है। पहली बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 7 जून 2019 को मनाया गया था। वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे को 18 दिसंबर को यूनाइटेड नेशन जनरल एसेंबली

ने फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर बनाया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य स्वास्थ्य, भूख और खेती से जुड़े लक्ष्यों को पाने के साथ खाने की सुरक्षा की जरूरतों पर ध्यान दिलाने के लिए किया गया।

क्यों जरूरी है वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे-

खाने की सुरक्षा किसी आम जनता का मौलिक अधिकार है। गंदे और असुरक्षित खाने से हार्मफुल बैक्टीरिया, वायरस, पैरासाइट और कैमिकल होते हैं जो लगभग 200 बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। इसमें डायरिया से लेकर कैंसर तक शामिल है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार लगभग 6 मिलियन लोग प्रदूषित खाना खाकर हर साल बीमार पड़ जाते हैं। वहीं प्रदूषित खाने से करीब चार लाख बीस हजार मौतें भी हो चुकी हैं।

विराट कोहली पर हमें गर्व, उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करना शर्मनाक : कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की ट्रॉफी जीतने के बाद आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर बेंगलुरु भगदड़ मामले में एक सामाजिक कार्यकर्ता की ओर से शिकायत दर्ज किए जाने के बाद कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शिकायतकर्ता को इस कृत्य को शर्मनाक करार दिया है। समाचार एजेंसी से बातचीत करने के दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि विराट कोहली पर हमें गर्व है। उन्होंने 18 साल तक कर्नाटक की टीम आरसीबी के लिए कड़ी मेहनत की। हर साल मेहनत करते रहे और आखिरकार इस साल उनकी मेहनत का फल मिला। पहली बार आईपीएल में आरसीबी ने खिताब जीता। लेकिन, सस्ती लोकप्रियता के लिए बेंगलुरु भगदड़ मामले में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। ऐसे शिकायतकर्ता को शर्म आनी चाहिए जो विराट कोहली के नाम पर सस्ती लोकप्रियता चाहते हैं। मैं इसकी निंदा करता हूं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विराट कोहली ने आरसीबी को ट्रॉफी जिताने में अहम

भूमिका निभाई है। वह एक दीवार के तौर पर टीम के साथ 18 साल तक खड़े रहे। टीम ने आईपीएल में अपनी पहली जीत सुनिश्चित की तो उनकी आंखों से बहते आंसू को पूरे देश ने देखा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं शिकायतकर्ता की घोर निंदा करता हूं। उसकी शिकायत पर कोर्ट भी संज्ञान नहीं लेगा। ऐसे शिकायतकर्ता अपनी घटिया मानसिकता को दर्शाते हैं।

बता दें कि 6 जून को विराट कोहली के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एच.एम. वेंकटेश ने दर्ज कराई है। जवाब में पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि शिकायत पर पहले से दर्ज मामले के तहत विचार किया जाएगा और चल रही जांच के दौरान इसकी जांच की जाएगी बता दें कि गुरूवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। एम चिन्नास्वामी के अंदर समारोह चल रहा था लेकिन स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गए।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर लगाया 'सेना, सांसद और संवैधानिक संस्थाओं के अपमान' का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि सेना, सांसदों और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना ही कांग्रेस पार्टी की पहचान बन चुका है। राहुल गांधी के 'मैच फिक्सिंग' वाले आरोप का वो जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जब यह परिवार (गांधी परिवार) चुनाव जीत जाता है, तो इनके लिए चुनाव आयोग सही रहता है। लेकिन, जब ये लोग हार जाते हैं, तो यही लोग आयोग पर सवाल उठाने लग जाते हैं। जब कोर्ट की तरफ इनके पक्ष में फैसला आता है, तो इनके लिए न्यायपालिका सही रहती है। तब इन्हें लोकतंत्र सुरक्षित नजर आता है।

लेकिन, जब परिस्थिति इनके विपरीत हो जाती है। अगर ये लोग चुनाव हार जाते हैं या कोर्ट से इनके पक्ष में फैसला नहीं आता है, तो ये लोग हलमावर हो जाएंगे। भाजपा नेता ने कहा कि ऐसा करके यह परिवार खुद को लोकतंत्र से ऊपर ठहराने की कोशिश करता है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मुझे लगता है कि शायद यह परिवार खुद को सभी संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर ठहराने की कोशिश में लगा हुआ है। पूनावाला के अनुसार कांग्रेस को अपनी हार में ही गड़बड़ी दिखती है। उन्होंने आगे कहा, 'जब कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में जीत मिली थी, कर्नाटक में जीत मिली, तो इन लोगों को चुनाव आयोग में कोई कमी नहीं दिखी, लेकिन जब राजनीतिक स्थिति बदली और इन्हें हरियाणा, महाराष्ट्र में हार का सामना करना पड़ा, तो इन लोगों को चुनाव आयोग में कमी दिखने लगी। आखिर इस तरह की राजनीतिक स्थिति को कैसे स्वीकार किया जा सकता है। यह इन लोगों का दोहरा पैमाना है। ऐसा करके यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, मैं एक बात दावे के साथ कहता हूं कि हम ऐसा नहीं होने देंगे।' उन्होंने कहा, ' कांग्रेस को सिर्फ माहौल बनाना है। इन लोगों को सिर्फ चुनाव आयोग पर सवाल उठाना है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी बन चुकी है कि आज जब परिवार चुनाव हारता है, तो लोकतंत्र खतरे में नजर आने लगता है और रही बात राहुल गांधी की, तो उन्हें मैं सिर्फ यही कहूंगा।

'मैच फिक्स' करके चुनाव जीतना लोकतंत्र के लिए जहर: राहुल

नई दिल्ली ।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 'मैच फिक्स' करके जीत गया था और इस तरह से चुनाव जीतना लोकतंत्र के लिए जहर के समान हैं। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर एक दैनिक पत्र में छपे अपने लेख के अंश पोस्ट करते हुए शनिवार को कहा,चुनाव की चोरी का पूरा खेल। वर्ष 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था। अपने आर्टिकल में मैंने विस्तार से बताया है कि कैसे यह साज़िश कदम-दर-कदम रची गई। उन्होंने कहा,पहले चुनाव आयोग की नियुक्ति करने वाले पैनल पर कब्ज़ा किया गया फिर वोटर लिस्ट में फर्ज़ी मतदाता जोड़े गए, तब मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया और जहां बीजेपी को जिताना था, वहां टारगेट करके

फर्ज़ी वोटिंग कराई गई और फिर सबूतों को छुपा दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि यह समझना बिल्कुल मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इतनी बौखलाई हुई क्यों थी। लेकिन चुनाव में धांधली भी मैच फिक्सिंग जैसी होती है।

पाकिस्तानी पुलिस के पूर्व एसआई से ज्योति मल्होत्रा की थी 'सीधी बातचीत' , पॉडकास्ट शो में दोनों दिखे थे साथ-साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ जासूसी मामले में नई जानकारी सामने आई हैं। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान पुलिस के पूर्व सब-इंस्पेक्टर नासिर ढिल्लों के सीधे संपर्क में थी। जो अब भारत के खिलाफ कथित खुफिया अभियानों के लिए जांच के दायरे में हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार मल्होत्रा ढिल्लों के साथ सीधे संपर्क में थी और यहां तक कि एक पॉडकास्ट एपिसोड में उनके साथ दिखाई भी दी थी। कथित तौर पर दोनों की मुलाकात मल्होत्रा के पाकिस्तान दौरे के दौरान हुई थी। पाकिस्तानी पुलिस से सेवानिवृत्त होने के बाद अपना यूट्यूब चैनल शुरू करने वाले ढिल्लों ने शुरुआत में खुद को भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सांस्कृतिक संवाद के प्रवर्तक के रूप में पेश किया था। हालांकि, अब जांचकर्ताओं का मानना है कि इस सार्वजनिक छवि के पीछे पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और सेना द्वारा संचालित एक गुप्त मिशन छिपा हुआ था। अधिकारियों का आरोप है कि ढिल्लों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए एक माध्यम के रूप में काम करता था और अपने चैनल का इस्तेमाल भारतीय यूट्यूबर्स तक पहुंचने के लिए करता था।

उनके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने के बाद वह कथित तौर पर उन्हें आईएसआई के गुर्गों से मिलवाता था और धीरे-धीरे उन्हें भारतीय सेना और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील जानकारी इकट्ठा करने के उद्देश्य से काम सौंपता था।

ऐसा माना जाता है कि 36 वर्षीय मल्होत्रा ऐसे ही यूट्यूबर्स में से एक हैं, जिनके साथ इस नेटवर्क के माध्यम से छल किया गया। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की है कि ढिल्लों के संबंध नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी थे, जिसे भारतीय अधिकारियों ने जासूसी के संदेह में 13 मई को निष्कासित कर दिया था। जांचकर्ताओं को ढिल्लों और दानिश के बीच संबंध के विश्वसनीय साक्ष्य मिले हैं, जो राजनयिक कवर के तहत संचालित एक व्यापक और अधिक संगठित जासूसी गिरोह का संकेत देते हैं।

ज्योति मल्होत्रा को 16 मई को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से स्थानीय पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा उनसे कई दौर की पूछताछ की जा चुकी है। वह पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में अब तक हिरासत में लिए गए 12 व्यक्तियों में से एक हैं, जिन्हें खुफिया जानकारी जुटाने के लिए भारतीय डिजिटल प्रभावशाली व्यक्तियों का शोषण करने का प्रयास करने वाले एक कथित जासूसी नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई के तहत हिरासत में लिया गया है।

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, सुरक्षा एजेंसियां अब इस नेटवर्क से जुड़े अधिक संभावित घुसपैठियों की पहचान करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

दिल्ली की 8वीं विधानसभा के सौ दिन पूर्ण होने पर रिपोर्ट कार्ड जारी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने अपनी आठवीं विधानसभा के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर रिपोर्ट कार्ड जारी किया। रिपोर्ट कार्ड विधानसभा की प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों और समावेशी विधायी दृष्टिकोण का प्रतिपादन करता है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की। उनके साथ दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। राज्यमंत्री मल्होत्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट कार्ड उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रतिबिंब है।

उन्होंने इसकी प्रेरणादायक थीम 'विरासत से विकास की ओर' को विशेष रूप से रेखांकित किया। मल्होत्रा ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत में विजेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्य करने को याद करते हुए कहा कि उनका अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा आज भी उन्हें संसदीय कार्यों को सक्षम रूप से निभाने में मदद करता है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष के संतुलित नेतृत्व में विधानसभा की कार्यवाही में पिछले 100 दिनों के दौरान स्पष्ट परिवर्तन देखा गया है। इस पूरी अवधि में सदन में कोई भी अव्यवस्था या व्यवधान नहीं हुआ, जो पहले सामान्य हो चला था। गुप्ता ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करते हुए विपक्ष को भी समान अवसर और सदन की गरिमा सुनिश्चित की है।

जले हुए शव की डीएनए से हुई पहचान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके के पुस्ता रोड, मुखमेलपुर में जली हुई हालत में मिली एक अज्ञात लाश की पहचान हो गई है। शव की पहचान संतोष कुमार (62) के रूप में हुई है। संतोष परिवार के साथ बुराड़ी के नत्थूपुरा इलाके में रहते थे।

मृतक की पत्नी उर्मिला रानी ने पांच जून को स्वरूप नगर थाने में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अलीपुर थाने में एफआईआर संख्या 297/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/238(ए) में मुकदमा दर्ज किया। जली हुई लाश मिलने के बाद पहचान मुश्किल हो रही थी, लेकिन गुमशुदगी की शिकायत और डीएनए व अन्य माध्यमों से पहचान की पुष्टि की गई। मृतक संतोष कुमार एक सेवानिवृत्त शिक्षक थे और हाल ही में स्वरूप विहार, स्वरूप नगर में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे थे। उनका रहन-सहन सामान्य था। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हत्या है या किसी अन्य कारण से मौत हुई। मृतक के संपर्क में आए लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक के परिवार को सूचित कर दिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच जारी है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज ने नरेला में दिव्यांगों के लिए बन रहे भवन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने नरेला में मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए तैयार हो रहे भवन का लोक निर्माण विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि कैम्पस दिव्यांगों के लिए आवश्यक सुविधाओं के अनुरूप तैयार हो रहा है।

इसके तैयार होने पर रोहिणी के आशा होम्स जैसे जिन शेल्टर होम्स में क्षमता से अधिक दिव्यांग रह रहे हैं, उन्हें यहां शिफ्ट किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि नरेला में नर्सिंग कॉलेज हॉस्टल बिल्डिंग, प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दिव्यांगों के लिए तैयार हो रहे भवन में 220 दिव्यांगों के रहने की सुविधा होगी। यह सुविधा तीन महीने के अंदर शुरू हो जाएगी। राज्य में दिव्यांगों के लिए कई सुविधाएं विकसित हो रही हैं। मामूरपुर और दल्लूपुरा में भवन तैयार होने के बाद दिव्यांगों के लिए सुविधा, सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकल्प बढ़ेंगे।

श्यामलाल कॉलेज का वार्षिकोत्सव 9 जून को, मुख्यमंत्री होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 09 जून को दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्यामलाल कॉलेज के 61वें वार्षिकोत्सव समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। यह जानकारी श्यामलाल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर ने दी। प्रो. कर ने बताया कि वार्षिकोत्सव समारोह सोमवार 9 जून को सुबह 10 बजे श्यामलाल कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। यह समारोह हमारे संस्थान की समर्पित शिक्षण परंपरा, विद्यार्थियों की सतत उपलब्धियों और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उत्सव होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बालाराम पाणि, भाजपा सांसद मनोज तिवारी तथा विधायक जितेंद्र महाजन शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्षा सविता गुप्ता करेंगी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न अकादमिक, सांस्कृतिक और खेलकूद की उपलब्धियों के लिए पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। समारोह के दौरान कॉलेज की 60 वर्षों की विकास यात्रा और उसके भविष्य के संकल्पों को भी साझा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री साय, बस्तर में शांति व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बस्तर में शांति व्यवस्था, विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके साथ हाल ही में छत्तीसगढ़ में आयोजित सुशासन तिहार की प्रधानमंत्री को जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब बस्तर का चेहरा बदल रहा है, जो कभी बंदूक और बारूदी सुरंगों के लिए जाना जाता था, आज वहीं मोबाइल टावर खड़े हो रहे हैं, जो सिर्फ संचार का माध्यम नहीं बल्कि विकास और विश्वास के प्रतीक बन चुके हैं। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सरकार द्वारा विगत डेढ़ वर्ष में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। इन सुरक्षा चौकियों के आसपास गांवों में न केवल पुलिस की उपस्थिति से सुरक्षा की भावना बनी है, बल्कि इन इलाकों में अब नेटवर्क भी पहुंच गया है। सरकार ने अब तक कुल 671 मोबाइल टावर चालू कर दिए हैं, जिनमें से 365 टावरों में 4फीसदी सेवा उपलब्ध है। यह न सिर्फ तकनीकी बदलाव है, बल्कि यह संकेत है कि अब आदिवासी क्षेत्रों में संचार क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर में सिर्फ मोबाइल टावर नहीं लग रहे हैं, बल्कि ये टावर इस बात का सबूत हैं कि वहां के बच्चे और युवा भी अब डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। पहले जहां बच्चों को पढ़ाई या नौकरी की तैयारी के लिए शहर जाना पड़ता था, अब वही काम वे अपने गांव में मोबाइल नेटवर्क के ज़रिए ऑनलाइन कर पा रहे हैं। अब बस्तर का युवा भी स्मार्टफोन से अपनी दुनिया खुद बना रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सुरक्षा कैंपों के इर्द-गिर्द बसते गांवों में अब बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुँच रही हैं। नियद नेल्लानार योजना के तहत चिन्हित 146 ग्रामों में 18 सामुदायिक सेवाएं और 25 तरह की सरकारी योजनाएं एक साथ क्रियान्वित की जा रही हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दिया निमंत्रण

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस माह कनाडा के कनानास्किस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रण मिला है और उन्होंने सम्मेलन में भागीदारी की पुष्टि की है। यह निमंत्रण कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने उन्हें आज टेलीफोन कर दिया। उल्लेखनीय है कि जी-7 शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन 15 से 17 जून को कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में होगा। इस सम्मेलन की मेजबानी कनाडा कर रहा है, जो इस वर्ष जी-7 की अध्यक्षता कर रहा है। फोन कॉल के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्नी को चुनाव में मिली जीत के लिए बधाई दी और सम्मेलन में आमंत्रित किए जाने पर आभार जताया। दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों की मजबूती पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश जीवंत लोकतंत्र हैं और गहरे जनसंपर्क, साझा हितों और परस्पर सम्मान के आधार पर मिलकर काम करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत के बारे में 'एक्स' पर लिखा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से फोन पर बात करके खुशी हुई। उन्हें चुनाव में विजय पर बधाई दी और इस महीने कनानास्किस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रण के लिए आभार जताया। भारत और कनाडा गहरे जनसंपर्क से जुड़े जीवंत लोकतंत्र हैं। हम परस्पर सम्मान और साझा हितों के आधार पर सहयोग को नई ऊर्जा देंगे। सम्मेलन में मुलाकात की प्रतीक्षा है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुदाय को दी बकरीद की बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को बकरीद की बधाई दी। यह त्योहार बलिदान, आस्था और उदात्त आदर्शों के महत्व को समझाता है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह त्योहार बलिदान, आस्था तथा अनेक उदात्त आदर्शों के महत्व को समझाता है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर समाज और देश के लिए समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लें। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, ईद-उल-जुहा के पावन अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई। ईद-उल-जुहा हमें त्याग की शक्ति और उदारता के आशीर्वाद की याद दिलाती है। ईद-उल-जुहा द्वारा जिन निस्वार्थता और सेवा के मूल्यों को बढ़ावा दिया जाता है, वे शाश्वत गुण हैं जो हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को समृद्ध करते हैं और हमारे विविध समाज के बंधनों को मजबूत करते हैं। यह अवसर हमें एकता की साझा भावना के साथ एक साथ आने और एक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समतापूर्ण राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स संदेश में कहा, ईद उल-अजहा की हार्दिक

शुभकामनाएं। यह अवसर सद्भाव को प्रेरित करे और हमारे समाज में शांति के ताने-बाने को मजबूत करे। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि बकरीद का त्योहार मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो बलिदान और आस्था के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह त्योहार लोगों को एकता की साझा भावना के साथ एक साथ आने और समाज में शांति और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री साय ने की केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात, नक्सल ऑपरेशन की उपलब्धियों और बस्तर के विकास की दी जानकारी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सल विरोधी अभियानों की अब तक की सफलताओं और बस्तर अंचल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। विगत डेढ़ वर्ष में चलाए गए सघन अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 नक्सलियों (माओवादियों) ने आत्मसमर्पण किया है, जो बीते पांच वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि 205 मुठभेड़ों में 427 नक्सली मारे गए, जिनमें संगठन के शीर्ष नेता महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही, राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सुरक्षा कैंपों के आसपास बसे गांवों तक अब बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुँचाई जा रही हैं। 'नियद नेल्लानार योजना' के अंतर्गत चिन्हित 146 ग्रामों में एकीकृत रूप से 18 प्रकार की सामुदायिक सेवाएं और 25 प्रकार की शासकीय योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं,

जिससे स्थानीय लोगों का विश्वास शासन तंत्र में बढ़ा है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से माओवादी गतिविधियों पर निर्णायक नियंत्रण संभव हो रहा है और केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहायता देती रहेगी।

राहुल गांधी ने जाति जनगणना और कानून व्यवस्था का उठाया मुद्दा, युवाओं से की एकजुटता की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नालंदा के राजगीर में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जाति जनगणना, संविधान और कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय पर लगातार हमले हो रहे हैं, लेकिन हम संविधान को मिटने नहीं देंगे। यह देश संविधान से ही चलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 90 फीसदी आबादी की सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है। मुझे अपने देश की सच्चाई जाननी है, इसलिए मैं देश का एक्स-रे करना चाहता हूं। आप लोग इस गलतफहमी में नहीं रहिए। ये लोग सही जाति जनगणना नहीं होने देंगे। क्योंकि ये लोग जानते हैं कि जिस दिन सही जाति जनगणना करा लेंगे, इनकी राजनीति खत्म हो जायेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि

वे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों। हम सब मिलकर इस देश को न्याय और भाईचारे के रास्ते पर आगे ले जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की पुरानी परिभाषा सत्य, न्याय और अहिंसा थी। लेकिन नयी परिभाषा 'क्राइम कैपिटल' ऑफ इंडिया हो गया। इस राज्य ने न सिर्फ हिंदुस्तान को, बल्कि दुनिया को भी रास्ता दिखाया है। लेकिन आज यहां कानून-व्यवस्था चौपट है और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री जी बार-बार पाला बदलते रहते हैं। कभी इधर, कभी उधर। लेकिन बिहार की जनता अब समझ चुकी है कि असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है।

शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी आम लोगों से दूर हैं।राहुल गांधी पर्वत पुरुष (माउंटेन मैन) दशरथ मांझी के गांव भी पहुंचे और स्वर्गीय दशरथ के समाधि स्थल पर नमन किया। राहुल दशरथ मांझी के परिजनों से मुलाकात भी की। राजगीर से राहुल गांधी गयाजी लौटे, जहां उन्होंने गया-पटना मुख्य मार्ग स्थित पहाश्वर के एक रिसॉर्ट में महिलाओं के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम में चर्चा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। राहुल गांधी ने इस दौरान महिला अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर बात की।

मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की रिपोर्ट लेकर जनता के बीच जाएगी भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के तीसरे कार्यकाल का 9 जून को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। इसके तहत 10 जून से सरकार के मंत्रियों के दौरे शुरू होंगे और तमाम जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों में किए गए कामों को गिनवाएंगे। इसके साथ देशभर में गोष्ठी और सभा का भी आयोजन होगा। पार्टी स्तर पर भी इसे लेकर तैयारियां की गई हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं हमेशा से हमारी नीति निर्माण के केंद्र में रही हैं। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में, उन्हें पूरी तरह से सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में सबसे आगे रखने के लिए बेहतर शिक्षा, कौशल विकास और

रोजगार के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, अटल टिंकरिंग लैब्स और देशभर में विश्वविद्यालयों और एम्स जैसे संस्थानों के विस्तार जैसी पहलों के माध्यम से युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए परिवर्तनकारी कदम उठाए गए हैं। भारत के युवा न केवल परिवर्तन के लाभार्थी हैं बल्कि वे इसके पीछे प्रेरक शक्ति हैं।

छत्रपति शिवाजी के अनुरूप सशक्त, समर्थ भारत बनाना ही हमारा लक्ष्य- ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना कर एक सशक्त, समर्थ और आत्मनिर्भर भारत का जो सपना देखा था, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उसी दिशा में दृढ़तापूर्वक अग्रसर है। एक पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में 'आपरेशन सिंदूर' पर सिंधिया ने कहा, 'भारत ने दिखा दिया है कि उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा।' उन्होंने कहा कि आज लोगों को सेना और सरकार पर भरोसा है। यह भरोसा बताता है कि 'यही समय है, सही समय है' जब हर देशवासी विकसित भारत के सपने को अपने मन में जगाए और उस अनुरूप कार्य भी करे। केन्द्रीय संचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज 'हिन्दवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। पुस्तक सुरूचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई है और इसका सम्पादन प्रो. ओम प्रकाश सिंह और देवेन्द्र भारद्वाज ने किया है। लोकार्पण समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय 'केशव कुंज' में स्थित विचार विनिमय केन्द्र के

सभागार में हुआ। पुस्तक में वर्णित इतिहास को बहुत उपयोगी बताते हुए सिंधिया ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके वंशज भी मराठा संघर्ष में शामिल हुए थे और देश के लिए अपना बलिदान दिया था। छत्रपति शिवाजी के गौरवशाली इतिहास के कुछ प्रसंगों को साझा करते हुए सिंधिया ने कहा कि उन्होंने गौरिल्ला युद्ध से लेकर विश्व की सबसे पहली नौसेना का गठन किया। शिवाजी महाराज का उद्देश्य केवल अपना साम्राज्य स्थापित करना नहीं था, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर, एकजुट और स्वाभिमानी राष्ट्र बनाना था। 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना भी इसी उद्देश्य से की गई थी। उद्देश्य था कि निर्धन से निर्धन व्यक्ति की भी देश के सम्राट तक पहुंच बन सके और उसे भी न्याय मिल सके। कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपस्थित जनों से 'जय शिवाजी, जय भवानी' का उद्घोष दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन नारों से बलिदान की प्रेरणा मिलती है ।

गाजा संघर्ष विराम में जारी गतिरोध के लिये अमेरिका ज़िम्मेदार : मौलाना अरशद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को वीटो करने पर तीखी प्रतिक्रिया में गाजा संघर्ष विराम में जारी गतिरोध के लिये अमेरिका को ज़िम्मेदार ठहराया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इज़राइल और हमास के बीच तत्काल व्यापक और स्थायी युद्ध विराम, मानवीय सहायता की तुरंत बहाली और गाजा में मूल अधिकारों की बहाली के संदर्भ में प्रस्ताव पेश किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 में से 14 सदस्यों ने गाजा में युद्ध-विराम और मानवी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव के समर्थन में वोट देने के बावजूद अमेरिका के वीटो पावर प्रयोग करने के कारण सुरक्षा परिषद यह प्रस्ताव पारित करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि 14 देशों ने यह अति उत्तम प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, परन्तु अमेरिका ने इसका साथ नहीं दिया। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि गाजा में जारी संघर्ष और तबाही के लिये अमेरिका ज़िम्मेदार है। उन्होंने आशंका प्रकट करते हुये कहा कि अमेरिका यह चाहता है कि गाजा से फलस्तीनियों को विस्थापित करके यहां यहूदियों को बसाया जाए, लेकिन ऐसा कदापि नहीं होगा। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद का शुरू ही से यह

मानना है कि एक स्वतंत्र और संप्रभु देश की स्थापना ही फिलिस्तीन मुद्दे का स्थायी समाधान है। इन अकल्पनीय और खतरनाक परिस्थितियों में अमेरिका और उसके राष्ट्रपति का इज़राइल का अनुचित समर्थन अत्यंत शर्मनाक एवं निंदनीय है।

पंजाब पर जमानती नेताओं का कब्ज़ा, जनता देगी जवाबः चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। चुघ ने कहा कि दोनों दलों ने वीआईपी कल्चर के खिलाफ वोट मांगे थे, लेकिन अब सच सामने है। जिसे मिस्टर क्लीन कहा जाता था, वही अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले में प्रमुख आरोपित पाए गए। जो खुद को वीआईपी कल्चर का विरोधी बताते हैं, वही पंजाब में विपश्यना करने सौ गाड़ियों के काफिले में पहुंचते हैं, अब वही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर नेता पंजाब को कब्जे में लेकर इसके संसाधनों का शोषण कर रहे हैं। चुघ ने एक बयान में कहा कि सत्ता की भूख इतनी है कि केजरीवाल ने जेल में रहते हुए भी इस्तीफा नहीं दिया। उन्हें कोर्ट ने सशर्त जमानत दी कि वे मुख्यमंत्री ऑफिस नहीं जाएंगे और सरकारी बैठकें नहीं करेंगे। चुघ ने कहा कि पंजाब की जनता ने जिस भगवंत मान पर भरोसा किया था, उन्होंने अपनी सरकार को केजरीवाल और उनके जमानती टोली के हवाले कर दिया है। यही नेता अब 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान का चेहरा बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह पाखंड की

चरमसीमा है कि दिल्ली शराब घोटाले के आरोपित अब पंजाब में नशे पर भाषण दे रहे हैं, पंजाब में कानून व्यवस्था की हालत बेहद खराब है। हर दिन कहीं ग्रेनेड हमला, कहीं फायरिंग, कहीं खुलेआम झगड़े- और मुख्यमंत्री हमारे सुरक्षा बलों की बहादुरी का मज़ाक उड़ाने में व्यस्त हैं। सिर्फ इतना ही नहीं पहलगाम में हुए निर्दोषों की हत्या पर भी हल्की और अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर चुग ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान की बात है कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर तक जाकर आतंक के ठिकानों पर प्रहार करती हैं, लेकिन कांग्रेस और आआपा नेताओं द्वारा लगातार ऑपरेशन और वीर सैनिको के पराक्रम पर सवाल उठाना बेहद शर्मनाक है। इसका जवाब लुधियाना की जनता जरूर देगी। चुघ ने कहा कि तीन साल से ज़्यादा हो गए, लेकिन आआपा का एक भी वादा ज़मीन पर नहीं दिखता। हर घर नौकरी का वादा किया गया था, लेकिन युवा विदेश और दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। किसानों का कर्ज माफ करने की बात थी, आज तक एक भी कर्ज माफ नहीं हुआ। महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का वादा था, 38 महीने बीत चुके हैं, अब तक कोई अमल नहीं किया। चुघ ने कहा कि आआपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दिल्ली में गठबंधन और पंजाब में दिखावटी लड़ाई। यह सब एक भ्रम है, जो अब पंजाब की जनता की समझ में आ चुका है।

भारतीय भाषा अनुभाग प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगाः अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना के साथ ही राजभाषा विभाग अब एक संपूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारी क्षमता का पूरा दोहन तभी हो सकता है जब हमारी सोच, विश्लेषण और निर्णय लेने की प्रक्रिया हमारी मातृभाषा में हो। देश की सभी स्थानीय भाषाओं को मजबूत करके ही हम भारत को उसके सनातन गौरवशाली स्थान पर ले जा सकते हैं। शाह ने कहा कि हमारी हर भाषा दूसरी भाषाओं से पूरी

तरह जुड़ी हुई है और सभी भाषाओं का विकास एक-दूसरे के बिना संभव नहीं है। हमारी सभी भाषा रूपी नदियां मिलकर भारतीय संस्कृति की गंगा बनती हैं। भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति की आत्मा हैं और हमारी संस्कृति भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा।

गृहमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदनशीलता को कम किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी को अपने ऊपर थोपने के खिलाफ लड़ाई में अवश्य जीतेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव और राजभाषा सचिव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हिन्दू साम्राज्य दिवसः भारत के स्वराज्य की हुंकार

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने ह्यस्वराज्यह्ल के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़ कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोक गमन के बाद भी ह्यहिन्दवी स्वराज्यह्ल का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। ह्यहिन्दू साम्राज्य दिवसह्ल या ह्यश्रीशिव राज्याभिषेक दिवसह्ल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- ह्यहिन्दवी स्वराज्य।

विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहां मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहां के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है।

हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि ह्लमुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती।ह्व औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था। मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को ह्यस्वह्ल के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था। महाराज ने राज्य के प्रत्येक तत्व यानी जल, जंगल, जमीन और जन के लिए नीतियां बनायीं। भारत की संस्कृति का संरक्षण किया। हिन्दू धर्म और उसके पवित्र स्थलों को प्राथमिकता दी। आज भी हम हिन्दू साम्राज्य को याद करते हैं, उसका कारण है कि वह सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक है। प्रसिद्ध इतिहासकार जदुनाथ सरकार लिखते हैं कि ह्लशिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे जिन्हें हम आज भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उनका उद्देश्य था अपने प्रजा को शांति देना, सभी जातियों और धर्मों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना, एक कल्याणकारी, सक्रिय और निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करना, व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौसेना का विकास करना और मातृभूमि की रक्षा के लिए एक प्रशिक्षित सेना तैयार करना।

छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों पर चलकर हम आज भी एक श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकते हैं। यह देखना सुखद है कि देश में ऐसी सरकार है, जो छत्रपति की स्वराज्य की अवधारणा में विश्वास करती है, उनको अपना आदर्श मानती है और उनके बनाए मार्ग पर चलने का प्रयास करती है। (लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

हिन्दुस्थान समाचार / वीरेन्द्र सिंह

संपादक की कलम से

हिंसाग्रस्त मणिपुर, अकेले तिरंगा लहराते मोदी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। मैतेई कट्टरपंथी संगठन 'अरम्बाई टेंगोल' के नेता की कथित गिरफ्तारी के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन होने लगा, जिसका असर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों इन पांच जिलों पर खास तौर से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों-बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, वहीं इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी। क्वाकीथेल में कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि गोलियां किसने चलाईं। खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है तो प्रदर्शनकारियों ने तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के द्वार का घेराव भी किया और सड़क के बीच में सो गए।

ये सारा हाल जाहिर करता है कि विरोध प्रदर्शन और कितना बढ़ सकता है। इसके बाद एहतियातन प्रशासन ने इन पांच जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाले चित्र, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है, लेकिन जिस कानून और व्यवस्था का हवाला देकर फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं, क्या उसका कोई नामलेवा अभी राज्य में बचा है, यह सवाल अब सीधे केंद्र सरकार से किया जाना चाहिए।

पिछले 2 सालों से मणिपुर अशांत बना हुआ है। मई 2023 में भड़की हिंसा की चपेट में पूरा राज्य आ गया, और हत्या, लूटपाट, आगजनी की असंख्य घटनाओं के बीच दो युवतियों के साथ बलात्कार और नग्न परेड जैसी अमानवीय, नृशंस घटनाएं भी हुईं। जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठी। ऐसी भयावह परिस्थिति किसी सैन्य शासन या तानाशाही वाले देश या किसी युद्धग्रस्त देश में घटती तो यह सवाल नहीं उठता कि सरकार क्या कर रही है। हमने पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर मध्य एशिया या अफ्रीका के कई कमजोर देशों में इस तरह की घटनाओं को होते देखा है, क्योंकि वहां लोकतंत्र नहीं है या अगर है तो उसे कमजोर कर दिया गया है। इसके बाद यही गनीमत लगती है कि भारत में लोकतंत्र बना हुआ है, जिसमें आम जनता रोजमर्रा की परेशानियों से भले जूझे, लेकिन इस तरह के अतिरेक से बची रहती है। किंतु दो सालों से मणिपुर के हाल देखकर सवाल उठता है कि क्या वाकई लोकतंत्र के रास्ते पर देश चल रहा है या केवल दिखावा हो रहा है।

दो साल हो गए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब तक एक बार भी मणिपुर नहीं गए, संसद में भी उन्होंने इस राज्य के हालात पर तभी बयान दिया जब विपक्ष ने अपना दबाव बनाया और सुप्रीम कोर्ट को भी दखल देना पड़ा। इस बीच मणिपुर में बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और 100 से अधिक दिनों से अब वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। हालांकि इस बीच भाजपा की तरफ से सरकार बनाने के दावे पेश किए जाते रहे हैं। लेकिन शायद विधायकों को केंद्र की भाजपा से हरी झंडी नहीं मिल रही। शायद भाजपा अब मणिपुर की जिम्मेदारी ही नहीं लेना चाहती है। बीते 2 साल से ज्यादा समय से जारी हिंसा में 270 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों लोग घायल हुए हैं। करीब 60 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इन दो सालों में श्री मोदी ने देश-विदेश की करीब 3 सौ यात्राएं की हैं, लेकिन मणिपुर जाने के लिए दो-तीन घंटे का वक्त भी उन्होंने नहीं निकाला। न ही वे दिल्ली बैठकर मणिपुर के मुद्दे को हल करने के लिए किसी तरह गंभीर दिख रहे हैं। अगर ऐसा होता तो शायद परिणाम सामने रहते। मगर इस समय ऐसा लग रहा है मानो भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए मणिपुर अस्तित्व ही नहीं रखता है। अपने ही देश के एक राज्य के साथ यह सौतेला व्यवहार आखिर नरेन्द्र मोदी क्यों कर रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है। अभी भाजपा मोदी सरकार के 11 सालों का जश्न देश भर में मनाने की तैयारी में है। खुद श्री मोदी ने इस बारे में ट्वीट किया कि बीते 11 सालों में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। इन वर्षों में हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे न सिर्फ ऐतिहासिक हैं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को सरल और बेहतर बनाने में सहायक रही हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने इन प्रयासों से एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना जरूर साकार करेंगे।

प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण जैसे शब्दों का मणिपुर में कोई स्थान है या नहीं। जम्मू-कश्मीर जाकर पुल से अकेले तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति और देशसेवा प्रदर्शित करने की नाटकीयता श्री मोदी को दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती, अगर वे वाकई तिरंगे के तहत आने वाले तमाम राज्यों को समभाव से देखते हुए ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाते।

अभी तो राहुल गांधी जैसे विपक्ष के नेताओं से ही उम्मीद है कि वे मणिपुर के लोगों के कष्ट बांटेंगे।

लगातार रहता है कंधों में दर्द तो जरूर करा लेने ये टेस्ट

अगर आपको अक्सर कंधे में दर्द बना रहता है और वह ठीक होने का नाम नहीं ले रहा है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. बहुत से लोग इसे सामान्य दर्द समझकर घरेलू इलाज करते रहते हैं, लेकिन यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है. आइए डॉक्टर से जानते हैं कि अगर कंधे में लगातार दर्द हो रहा है, तो कौन-कौन से मेडिकल टेस्ट कराने जरूरी हैं और यह दर्द किन कारणों से हो सकता है.

कंधे का दर्द कई कारणों से हो सकता है. ये आमतौर पर मांसपेशियों में खिंचाव, गलत पॉश्चर, भारी सामान उठाने या किसी चोट के कारण हो सकता है. लेकिन कई बार यह दर्द फ्रोजन शोल्डर, रोटेटर कफ इंजरी, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस या हृदय संबंधी समस्या जैसे गंभीर कारणों की ओर इशारा करता है.

सर्वोदय अस्पताल में आथोपैडिक विभाग में डॉ. अंचिल उप्पल बताते हैं किअगर कंधों में पिछले कुछ समय से कंधों में लगातार दर्द हो रहा हों तो इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्योंकि अगर आप इसे इग्नोर करते हैं तो यह गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है. ऐसे में अगर आपको यह समस्या बनी रहती है तो आपको सतर्क होना चाहिए. आइए डॉक्टर से जानते हैं कि कंधों में दर्द होने के कौन-कौन से कारण और लक्षण हो सकते हैं.

दर्द लगातार बना रहना, हाथ उठाने में परेशानी होना, गर्दन या पीठ तक दर्द फैल जाना, सोते समय दर्द ज्यादा होना, हाथों में झुनझुनी या सुन्नपन होना, अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से मिलकर जांच करवाना जरूरी है.अगर ये समस्याएं आपकी बन रही हैं तो ये कुछ मेडिकल टेस्ट करवा लेनी चाहिए.

एक्स-रे

कंधे की हड्डियों में कोई फ्रैक्चर या डिस्लोकेशन है या नहीं, इसे जानने के लिए एक्स-रे सबसे पहला टेस्ट होता है. इससे जोड़ो की स्थिति का भी पता चलता है. अगर मांसपेशियों या लिगामेंट्स में कोई चोट या खिंचाव है, तो एमआरआई से उसकी सही जानकारी मिलती है. रोटेटर कफ की चोट की पुष्टि के लिए यह बहुत जरूरी है.

क्या सस्ती लोकप्रियता भुनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने व्यवस्थाओं को दांव पर

अशोक भाटिया , मुंबई

अजीब बात है कि कुंभ मेले में मामूली भगदड़ मच गई, जिसे करोड़ों लोगों ने इकट्ठा किया गया था , ये कांग्रेसी आकाश पाताल को एकजुट कर रहे थे । आज उनके द्वारा आयोजित चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुछ हजार की भीड़ को वह नियंत्रित नहीं कर सके और चेंगरुन (बेंगलुरु) की भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन हैं? आरसीबी के मालिक, कर्नाटक सरकार या खुद क्रिकेट फैंस।

बताया जाता है कि तीन जून की रात फाइनल जीतने के बाद चार जून को जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में भव्य समारोह रखा गया। जब बाहर लोग अपनी जान गंवा रहे थे, तब आरसीबी मैनेजमेंट स्टेडियम के अंदर जीत का जश्न मना रहा था। जब रजत पाटीदार और विराट कोहली चिन्नास्वामी स्टेडियम में आए फैंस के सामने भाषण दे रहे थे, तब बाहर लोग जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे। भगदड़ में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बावरिंग अस्पताल में 6 शव लाए गए, जिनमें 13 वर्षीय दिव्यांशी, 26 वर्षीय दिया, 21 वर्षीय श्रवण समेत तीन युवतियां और तीन युवक शामिल हैं। इनमें दो की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। वायदेही अस्पताल में 4 शव पहुंचे- 20 वर्षीय भूमिक, 19 वर्षीय साहना, एक 20 वर्षीय युवक और एक 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई। मणिपाल अस्पताल में 19 वर्षीय चिन्मयी की मौत हुई है। हादसे में घायल 18 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं।

आरसीबी फ्रैंचाइजी से टूनार्मेंट जीतने के कुछ ही घंटे के भीतर इतने बड़े इवेंट की जरूरत पर सवाल पूछे जा रहे हैं। आईपीएल के इतिहास में ये पहला मौका था, जब किसी फ्रैंचाइजी ने जीत के बाद इतनी बड़ी विक्ट्री परेड की प्लानिंग की। भारत को 1983 में वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम के मेंबर रहे पूर्व तेज गेंदबाज मदन लाल की माने तो इस कार्यक्रम को दो-तीन दिन बाद पूरी तैयारी के साथ भी किया जा सकता था। मदन लाल ने पूछा है कि जब मंगलवार की पूरी रात अहमदाबाद में पार्टी की गई तो बेंगलुरु में जश्न मनाने की क्या जल्दी थी?

आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर प्लेयर्स के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थ। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए।

बेंगलुरु को ह्यपढ़े-लिखेह्ल लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था। जश्न के दौरान मची भगदड़ के बाद भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय या बुनियादी व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार पर हमला करते हुए पार्टी ने कहा कि वे सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय रील बनाने में बिजी थे। भाजपा के अमित मालवीय ने बेंगलुरू भगदड़ को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है और खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन का हवाला दिया है। उन्होंने इस घटना भाजपा ने दावा किया है कि आईपीएल में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम परिसर के पास भगदड़ में सात से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इलाके में एक नाले के ऊपर एक स्लैब रखा हुआ था। जब भीड़ जमा हुई और उस पर खड़ी हुई, तो स्लैब गिर गया, जिससे अफरातफरी मच गई और जानलेवा भगदड़ मच गई।को प्रशासनिक लापरवाही के कारण होने वाली टाली जा सकने वाली त्रासदी बताया।

जिन 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई, वे महज क्रिकेट प्रेमी थे, विराट कोहली के दीवाने, फउइ के फैन थे। उन्हें नहीं पता था कि उनकी ये दीवानगी उन्हें अपनी जान की कीमत पर चुकानी पड़ेगी। 13 साल की दिव्यांशी से लेकर 26 साल की दीया और 21 साल का श्रवण, सभी उन लाखों लोगों में शामिल थे जो सिर्फ एक झलक अपने सितारों की पाने को आए थे। अपने स्टार के आंसुओं के लिए जो लाखों लोग पागल थे, उनके दर्द से उन स्टार खिलाड़ियों को कोई खास फर्क नहीं पड़ा। तालियां बजती रहीं। फ्लाइंग किस लुटाए जाते रहे। ऐसा कैसे हो सकता है कि इन स्टार खिलाड़ियों को जानकारी नहीं थी। और जानकारी नहीं थी तो दी क्यों नहीं गई? भगदड़ के बाद भी जश्न क्यों मनता रहा? और विजयी भाषण चलता रहा, पीठ थपथपाई जाती रही। विराट कोहली को एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचने वाले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का कहना है कि जश्न सिर्फ थोड़ी देर चला. सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है. जब खुद सरकार एक जश्न का नेतृत्व करेगी. खेल की लोकप्रियता को भुनाने की कोशिश करेगी. भीड़ को रोकने और उसके सही प्रबंधन की जगह खुद झंडा लेकर घूमेगी तो आम लोगों से क्या उम्मीद की जाएगी? जब नेता इस तरह जश्न मनाएंगे तो जनता तो उनके पीछे पागल होगी ही.

अब सरकार आयोजकों पर सवाल उठा रही है, आयोजक प्रशासन पर और बीच में फंसे हैं वो 11 परिवार, जो अपने अपनों को खो बैठे. हर जिम्मेदार अब कह रहा है कि हमें जानकारी नहीं थी.भगदड़ में सहाना की मौत के बाद उनके परिवार ने सरकार से नाराजगी जाहिर की है। बेंगलुरु में काम करने वाली सहाना यहां से 90 किलोमीटर दूर कोलार की रहने वाली थीं। पोस्टमार्टम के बाद नगर निगम के शव वाहन में उनकी बॉडी को शिफ्ट किया गया। परिवार ने कहा कि कोलार तक ले जाने के लिए फ्रीजर तक की व्यवस्था प्रशासन ने नहीं की। हॉस्पिटल में जब परिवार ने जबरदस्त तरीके से अपनी नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया उसके बाद ही उन्हें फ्रीजर दिया गया।

चिंतामणि के रहने वाले प्रज्वल की भी इस भगदड़ में मौत हो गई। प्रज्वल घर वालों से ये कहकर निकला कि बेंगलुरू में एक निजी कंपनी में उसका इंटरव्यू है और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जश्न में शामिल होने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच गया। घर वालों ने जब मीडिया के जरिये मृतकों की सूची में उसका नाम देखा तो उन्हें पता चला कि प्रज्वल जॉब इंटरव्यू के लिए नहीं बल्कि आरसीबी के विजय जश्न में शामिल होने गया था।

युद्धों से यारी के निहितार्थ ?

- अरुण कुमार त्रिपाठी

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

चार दिन चले 'आपरेशन सिंदूर' का वैसे तो युद्धविराम हो चुका है, लेकिन उसका 'शांतिपर्व' नहीं आया है। जिस तरह से दोनों ओर से युद्ध जीतने के दावे किए जा रहे हैं उससे तो नहीं लगता कि यह जल्दी आने वाला है, पर सवाल है कि पत्रकार, राजनेता, अधिकारी और पूरे समाज पर युद्धोन्माद का आख्यान आखिर इस तरह हावी क्यों है? जबकि पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे कह चुके हैं कि युद्ध बालीवुड की फिल्म नहीं है, उसे आखिरी विकल्प के तौर पर ही रखना चाहिए। युद्ध का मौजूदा आख्यान पड़ौसी देश के विरुद्ध ही नहीं है, बल्कि उन नागरिकों, दलों और राजनेताओं के प्रति भी है जो सत्तापक्ष और सरकार से सवाल करते हैं।

अगर कोई राजनेता या सैनिक अधिकारी सच बोलने का साहस दिखाता है तो उस पर लोग ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे कि वह देशद्रोही या गद्दार हो या राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाली विवेकहीनता का प्रदर्शन कर रहा हो। हमारे 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में जेट विमानों को क्षति पहुंचने की बात क्या स्वीकारी कि राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ उन पर टूट पड़े। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने एक 'कार्यनीतिक चूक' स्वीकार करके पाकिस्तान की जीत के आख्यान को बढ़त का मौका दे दिया है, जबकि उन्होंने इस पूरे युद्ध पर एक विवेकपूर्ण टिप्पणी करते हुए यह भी कहा था कि दोनों ओर के सैनिक अधिकारियों में इतना विवेक था कि उन्होंने इस टकराव को नाभिकीय युद्ध तक नहीं जाने दिया।

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

जो स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में बनी है वह कमोवेश पूरी दुनिया में निर्मित हो रही है। भारत के मुख्यधारा के मीडिया पर जिस तरह से सेना के युद्धोन्मादी सेवानिवृत्त अफसरों के ढपोरशंखी बयानों और वक्तव्यों की बाढ़ आई हुई है उतना तो शायद दुनिया के किसी देश में नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध या इजराइल-फिलस्तीन युद्ध ने तथाकथित सभ्य देशों को असभ्य देश के रूप में तब्दील कर दिया है और नहीं लगता कि उनके पास मौजूदा स्थिति का कोई समाधान है। विडंबना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में इस दौरान शांति का स्वर हाशिए पर ठेल दिया गया है। युद्ध के शुरू होते ही मैग्सैसे पुरस्कार विजेता संदीप पांडेय और मेधा पाटकर ने युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके बयानों को कितना महत्त्व दिया गया, कहा नहीं जा सकता।

आज इस उपमहाद्वीप में जिस प्रकार से चीन और पाकिस्तान की ओर से भारत पर युद्ध थोपने की भविष्यवाणी की जा रही है, रणनीतिक और राजनयिक रूप से भारत जिस तरह से अलग-थलग पड़ता दिख रहा है वह सब एक भयावह परिदृश्य उपस्थित करता है। इससे निपटने का एक तरीका तो यह है कि लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं में कटौती करते हुए निरंतर हथियार जमा किए जाएं, उनको टेक्नोलॉजी के लिहाज से उन्नत करते रहा जाए और भारत जैसी विशाल आबादी को सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया जाए।

दूसरा तरीका है कि इस उपमहाद्वीप से लेकर दुनिया के दूसरे हिस्सों तक शांति का वह अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाए जिसकी कल्पना रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, लियो टालस्टाय, विनोबा, थोरो, क्रोपाटकिन और डेस्मांड टूटू जैसे विचारकों ने की थी। दूसरा रास्ता अधिक श्रेष्ठ और टिकाऊ है और उसकी चर्चा उसी तरह होनी चाहिए जिस तरह भीष्म ने 'शांतिपर्व' में की थी।

रवींद्रनाथ टैगोर ने 'गीतांजलि' के अलावा 'स्वर्ग का गीत' जैसी कविताओं में 'हार की गरिमा' का वर्णन किया है तो महात्मा गांधी ने अहिंसा को परमाणु बम से भी श्रेष्ठ हथियार माना है।

पीयूष चावला ने 36 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज लेग स्पिनर और दो बार के वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने पेशेवर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 36 वर्षीय चावला ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 20 साल से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। चावला ने 2007 में भारत को टी20 विश्व कप जिताने वाली टीम और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पेशेवर क्रिकेट में सभी फॉर्मेट मिलाकर 1000 से अधिक विकेट चटकाए। भारत के लिए उन्होंने 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 43 विकेट हासिल किए। चावला ने महज 17 साल और 75 दिन की उम्र में भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ मार्च 2006 में टेस्ट डेब्यू किया था। वह इस फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 16 साल और 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।अपने पोस्ट में चावला ने लिखा, भारत का प्रतिनिधित्व करना और 2007 व 2011 की विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी।

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में भारत की ओर से एलवेनिल, रमिता, मडुनेनी समेत 23 निशानेबाज होंगे शामिल

नई दिल्ली। म्यूनिख (जर्मनी) में 8 जून से शुरू हो रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल इवेंट में भारत की ओर से 23 सदस्यीय दल भाग लेगा। इस दल में एलवेनिल वलारिवन, रमिता जिंदल और मडुनेनी उमामहेश जैसे प्रतिभाशाली निशानेबाज शामिल हैं, जो 'गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी' से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एलवेनिल की उपलब्धियां और लक्ष्य

एलवेनिल वलारिवन अर्जुन अवॉर्ड विजेता हैं। उन्होंने दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और दो इंटरनेशनल वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। साल 2019 में उन्हें आईएसएसएफ शूटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला था और वे 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 भी रह चुकी हैं। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं। मेरा लक्ष्य है कि देश और अपने सभी समर्थकों को गर्व महसूस करा सकूं। गन फॉर ग्लोरी ने मेरे करियर में अहम भूमिका निभाई है, मैं उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में चिली को 1-0 से हराया

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफाई मुकाबले में अर्जेंटीना ने चिली को 1-0 से हराकर तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला गुरुवार को सैंटियागो में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल जूलियन अल्वारेज ने 23वें मिनट में किया।अर्जेंटीना और चिली के बीच फुटबॉल में लंबे समय से जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें 1942 की दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप से लेकर 2016 कोपा अमेरिका फाइनल तक के मुकाबले शामिल हैं। उस फाइनल में हार के बाद लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी थी, हालांकि बाद में वे दोबारा खेल में लौट आए थे इस मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुका था, इसलिए कप्तान मेसी को शुरुआती ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। टीम ने युवा खिलाड़ियों निको पाज, जूलियन अल्वारेज और जियोवानी सिमोन्स के साथ शुरुआत की। हालांकि, मैच की पहली वास्तविक कोशिश चिली ने की, जब तीसरे ही मिनट में एलेक्सिस सांचेज ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और पहले हाफ में चिली को कोई खास मौका नहीं दिया। 13 मिनट बाद थियागो अल्माडा ने एक शानदार पास दिया, जिसे अल्वारेज ने चिप शॉट से गोल में तब्दील कर दिया। गेंद गोलपोस्ट से लगकर भीतर चली गई।

सिनर और अल्काराज के बीच होगी फ्रेंच ओपन की खिताबी भिड़ंत

पेरिस। विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज के बीच फ्रेंच ओपन के फाइनल मुकाबले में खिताब के लिए भिड़ेंगे। रात खेले दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर ने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया। सिनर तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में अपनी जीत पक्की की। सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। इसी हार के साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का इंतजार बढ़ गया है। पहले सेमीफाइनल में स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी के मैच के बीच में हटने के बाद फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के फाइनल में जगह बना ली थी। मैच की शुरुआत अल्काराज ने पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वह वापसी करते हुए 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। इसी दौरान इटली के मुसेट्टी ने जांघ की चोट के कारण खेल छोड़ दिया।

बिहार में पहली बार टेबल टेनिस टूर्नामेंट का हो रहा आयोजन,पद्मश्री शरद कमल का मिलेगा मार्गदर्शन

एजेंसी

पटना। बिहार में पहली बार स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट 19 से 22 जून के बीच पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इनडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवींद्र शंकरन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार में पहली बार आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) और बिहार टेबल टेनिस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। राज्यस्तरीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक राज्य में शीर्ष खिलाड़ियों को निर्धारित (चयनित) करने के लिए किया जाता है। राज्य सरकार उन खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनमें राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। पद्मश्री शरद कमल के मार्गदर्शन में आयोजनटूर्नामेंट का आयोजन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त टेबल टेनिस खिलाड़ी और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित शरद कमल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इससे यह आयोजन राज्य के खिलाड़ियों के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उन्हें शरद कमल के मार्गदर्शन और उनके सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कुशल और अनुभवी चयनकर्ताओं द्वारा सभी आयु वर्ग से सफल और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। रवींद्र शंकरन ने कहा कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए अर्हता प्राप्त करने में टूर्नामेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टूर्नामेंट में पुरुष और महिला एकल के लिए अंडर 11, 13, 15, 17 और 19 के विभिन्न आयु समूहों के लिए टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं होंगी। पूरे राज्य के खिलाड़ी टूर्नामेंट में भाग ले सकते हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रतिभागी गूगल फॉर्म भरकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 जून 2025 है। प्रतिभागियों को 18 जून को खेल प्राधिकरण में रिपोर्ट करना होगा। प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क होगा। बिहार सरकार और बीएसएसए खिलाड़ियों के आवास, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान रखेंगे।

अल्टीमेट टेबल टेनिस जूनियर्स सेमीफाइनलः चैंपियन बनने की जंग में उतरेंगी चार धाकड़ टीमें

एजेंसी

अहमदाबाद। ड्रीम अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) जूनियर्स सीजन 1 अब रोमांचक नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां चार शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। लीग स्टेज में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यू मुंबा टीटी की जोड़ी प्रतीक तुलसानी और अनन्या मुरलीधर ने 29 अंकों के साथ टेबल टॉप किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। अब सेमीफाइनल के पहले मुकाबले में यू मुंबा टीटी का सामना चौथे स्थान पर रही जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जिसकी ओर से त्रिशाल सुराणुरोही और श्रेय धीर मैदान में उतरेंगे। जयपुर ने 25 अंकों के साथ अंतिम चार में जगह बनाई है। दूसरे सेमीफाइनल में देम्पो गोवा चैलेंजर्स की ओर से साहिल रावत और आर्या रेडकर की जोड़ी 28 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जो तीसरे स्थान पर रही कोलकाता थंडरब्लेड्स से भिड़ेगी। थंडरब्लेड्स की ओर से ऋत्विक गुप्ता और स्वरा करमरकर सेमीफाइनल में चुनौती पेश करेंगे। कोलकाता ने 26 अंक जुटाकर टॉप चार में अपनी जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल के विजेता रविवार अहमदाबाद के एकेए एरिना में होने वाले फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगे।

सेमीफाइनल 1: यू मुंबा टीटी बनाम जयपुर पैट्रियट्स - सुबह 9 बजे से 10 बजे तक

सेमीफाइनल 2: देम्पो गोवा चैलेंजर्स बनाम कोलकाता थंडरब्लेड्स - सुबह 10 बजे से 11 बजे तक

फाइनल में पहुंचने के लिए चारों टीमें पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं और दर्शकों को एक जबरदस्त टेबल टेनिस मुकाबले की उम्मीद है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक के लिए एंट्री लिस्ट घोषित, जापान के डीन की जगह चेक गणराज्य के कोनेक्नी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेक्नी ने जापान के एशियन गेम्स कांस्य पदक विजेता गेन्की डीन की जगह ली है, आयोजकों ने नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए 12 खिलाड़ियों की अंतिम एंट्री लिस्ट की पुष्टि कर दी है। यह भारत में पहली बार आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता है, जिसे मूल रूप से 24 मई को पंचकूला में होना था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था।

ओलंपिक मेडलिस्ट चोपड़ा की खास पहलः इस प्रतिष्ठित आयोजन को दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और छ्स्ख्र स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसे एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की मान्यता प्राप्त है। चोपड़ा की यह ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जा रही प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स द्वारा कैटेगरी-ए का दर्जा प्राप्त कर चुकी है।

दिग्गज अंतरराष्ट्रीय नाम होंगे शामिल

मार्टिन कोनेक्नी के अलावा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर (जर्मनी), 2015

विश्व विजेता जूलियस येगो (केन्या), कर्टिस थॉम्पसन (अमेरिका), लुइज मौरिसियो दा सिल्वा (ब्राज़ील) और श्रीलंका के रुमेश पथिरागे जैसे दिग्गज शामिल होंगे।

भारतीय दल में होंगे 5 स्टार एथलीट्सः नीरज चोपड़ा के साथ भारतीय दल में एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

बदला वेन्यू, अब बेंगलुरु में होगा आयोजनः पहले यह प्रतियोगिता पंचकूला में होनी थी, लेकिन लाइव टेलीकास्ट में रौशनी की समस्या के चलते अब इसे बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

टिकट की कीमत और प्रीमियम अनुभव

आयोजकों के मुताबिक, टिकट की कीमतें 199 से ?9,999 तक होंगी। 15 लोगों की क्षमता वाले कॉरपोरेट बॉक्स की कीमत 44,999 रखी गई है। थ्रोअर्स रनवे के पास विशेष स्टैंड ?9,999 में और नॉर्थ अपर स्टैंड में रनवे के ठीक पीछे स्थित प्रीमियम सेक्शन 2,999 में उपलब्ध होगा। नीरज चोपड़ा का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से भारत को विश्व स्तरीय एथलेटिक्स आयोजनों का भरोसेमंद मेजबान बनाना है। यह प्रतियोगिता इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

केएल राहुल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लगाया शतक, जुरेल का लगातार तीसरा अर्धशतक

एजेंसी

लंदन। लंबे समय बाद लाल गेंद से क्रिकेट में लौटे केएल राहुल ने शानदार शतक लगाते हुए अपने फॉर्म का दमदार बयान दिया। इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन राहुल ने 116 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिससे इंडिया ए ने 319/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बारिश से प्रभावित दिन में राहुल और ध्रुव जुरेल की शतकीय साझेदारी टीम के लिए बड़ी ताकत बनी।

राहुल ने दिखाया क्लास, नहीं थे शुरुआती टीम में: केएल राहुल को शुरू में इस मुकाबले के लिए चुना नहीं गया था, लेकिन आईपीएल खत्म होने के बाद उन्होंने खुद को उपलब्ध कराया और पहले ही दिन शतक जड़कर चयनकर्ताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने करुण नायर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की और फिर जुरेल के साथ मिलकर टीम को संकट से उबारा।

वोक्स ने तोड़ी शुरुआती कमर

इंग्लैंड लॉयंस के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज़ क्रिस वोक्स ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3 विकेट झटके। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (17) और अभिमन्यु ईश्वरन को जल्दी पवेलियन भेजकर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी। लेकिन इसके बाद राहुल और करुण नायर (40 रन) ने पारी को संभाला।

जुरेल फिर चमके, लगातार तीसरी फिफ्टी

ध्रुव जुरेल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले अनौपचारिक टेस्ट में 94 और नाबाद 53 रन बनाने वाले जुरेल ने यहां 52 रनों की अहम पारी खेली। राहुल के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इंडिया

ए को मजबूत स्थिति में ला दिया।

अंत में हिल ने दिलाई इंग्लैंड को वापसी

दिन के आखिरी सत्र में जॉर्ज हिल ने दोनों सेट बल्लेबाजों – राहुल और जुरेल – को नौ गेंदों के अंदर पवेलियन भेजा जिससे इंग्लैंड लॉयंस ने थोड़ी वापसी की। इसके बाद नितीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर ने दिन का खेल खत्म होने तक संयम से बल्लेबाज़ी की, हालांकि बारिश की रुक-रुक कर बाधा बनी रही।

यूरोपा लीग खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद टोटनहम ने कोच पोस्टेकोग्लू को किया बर्खास्त

एजेंसी

लंदन। यूरोपा लीग 2025 का खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद टोटनहम हॉटस्पर ने अपने मुख्य कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा, प्रदर्शन की समीक्षा और गंभीर विचार-विमर्श के बाद क्लब यह निर्णय ले रहा है कि एंजे पोस्टेकोग्लू को उनके पद से मुक्त किया जा रहा है। 22 मई को टोटनहम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर यूरोपा लीग खिताब पर कब्जा जमाया था। यह क्लब का पिछले 17 वर्षों में पहला बड़ा खिताब था। इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद पोस्टेकोग्लू को क्लब से बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

प्रीमियर लीग में बेहद निराशा जनक प्रदर्शन

खिताबी जीत के उलट, टोटनहम का प्रीमियर लीग 2024-25 में प्रदर्शन बेहद खराब रहा। क्लब लीग तालिका में 17वें स्थान पर रहा और 38 मैचों में सिर्फ 38 अंक हासिल कर सका। टीम किसी तरह रेलिगेशन से बच पाई।

बोर्ड ने कहा- भावनाओं में बहकर नहीं ले सकते फैसले

क्लब के बयान में आगे कहा गया, हम एंजे के समर्पण और उनके योगदान के लिए आभारी हैं। यूरोपा लीग जीतना क्लब के लिए एक महान क्षण है, लेकिन हम सिर्फ इस भावना के आधार पर भविष्य नहीं तय कर सकते। बोर्ड ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि क्लब के हित में बदलाव जरूरी है। पोस्टेकोग्लू ने खिताबी जीत के बाद कहा था, मैंने प्रशंसकों से कहा था कि हम जीतेंगे, उन्होंने हँस कर टाल दिया। पर अब हम यहाँ हैं। और याद रखिए, सबसे अच्छी टेलीविजन सीरीज का तीसरा सीजन, दूसरे से भी बेहतर होता है। गौरतलब है कि पोस्टेकोग्लू ने 2023 में सेल्टिक से टोटनहम का कोच बनना स्वीकार किया था और उन्हें चार साल के अनुबंध पर लाया गया था। लेकिन दो वर्षों के भीतर ही यह साथ समाप्त हो गया।

टी-20 मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 21 रनों से हराया

चेस्टर-ले-स्ट्रीट। जॉश बटलर (96) रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के बाद लियम डॉसन (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में बेन डकेट (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें रोमारियो शेफर्ड ने विकेटकीपर साई होप के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉश बटलर ने सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला। सातवें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने जेमी स्मिथ 20 गेंदों में (38) को रदरफोर्ड के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान हैरी ब्रूक (छह), टॉम बैंटन (तीन) और विल जैक्स (नौ) रन बनाकर आउट हुये। जॉश बटलर ने 59 गेंदों में चार छक्के और छह चौकों की मदद से (96) रनों की आतिशी पारी खेली। विस्फोटक बल्लेबाजी कर रहे बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके। उन्हें अल्जारी जोसेफ ने पगबाधा आउट किया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। जेकब बेथेल (23) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिये । अल्जारी जोसेफ,रॉस्टन चेज और आंद्रे रसल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 : वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की रेस में उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, यूरोप में होगी कड़ी परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष वर्ग) के अगले चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम यूरोप में अपना अभियान फिर से शुरू करने को तैयार है। इस चरण में भारत का सामना नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमों से होगा। स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम का पहला मुकाबला 7 जून को वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड्स से एम्सटेलवीन में होगा।

वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की राह पर नज़र

प्रो लीग न सिर्फ प्रतिष्ठा की लीग है बल्कि यह एफआईएच पुरुष वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफिकेशन का भी अहम जरिया है। ऐसे में भारत हर मैच से अधिकतम अंक बटोरने और अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। वर्तमान में भारत 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम

उससे आगे हैं।

हरमनप्रीत बोले – 'तीन या उससे अधिक गोल हों हमारा लक्ष्य'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, कोच क्रेग हमेशा हमें मैच से पहले कहते हैं कि अगर हम तीन या उससे अधिक गोल करते हैं तो जीतने की संभावना ज्यादा होती है। इसके लिए हमें हर क्वार्टर में कम से कम दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने की कोशिश करनी होगी और उन्हें गोल में बदलना होगा। इस बार हमारा खास फोकस फील्ड गोल्स पर है, और अगर वो संभव न हो तो पेनल्टी कॉर्नर को भुनाकर बढ़त लेने की रणनीति रहेगी।

क्रेग फुल्टन की रणनीतिः हर मैच को फाइनल मानकर खेलेंगे

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हम पहले ही जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और आयरलैंड जैसी टीमों के खिलाफ खेले हैं और तीसरे स्थान पर हैं। अब नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी चुनौतीपूर्ण टीमों के खिलाफ खेलना है। हमारी रणनीति हर मैच के लिए अलग होगी और हम हर मुकाबले को फाइनल की तरह लेंगे। हमारा लक्ष्य हर मैच से पूरे तीन अंक हासिल करना है।

भारत बनाम नीदरलैंड्सः आंकड़ों में कांटे की टक्कर

दोनों टीमों के बीच अब तक 20 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 5 मैच जीते हैं और 7 ड्रॉ रहे हैं। पिछले सीजन में दोनों मुकाबले शूटआउट तक पहुंचे थे। पहला भारत ने जीता था, जबकि दूसरा नीदरलैंड्स ने।

शेड्यूलः यूरोपीय दौरे में ऐसे भिड़ेगी टीम इंडिया

भारत बनाम नीदरलैंड्सः
7 जून - रात 7:30 बजे IST
9 जून - शाम 6:00 बजे IST

भारत बनाम अर्जेंटीनाः
11 और 12 जून - एम्सटेलवीन, नीदरलैंड्स

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः
14 और 15 जून - एंटवर्प, बेल्जियम

भारत बनाम बेल्जियमः
21 और 22 जून - एंटवर्प, बेल्जियम

सैलिसबरी और स्कूप्स्की की जोड़ी फ्रेंच ओपन युगल के फाइनल में

पेरिस। ब्रिटिश जोड़ी जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की की जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग को हराया फ्रेंच ओपन पुरुष युगल के फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन की जोड़ी ने अमेरिकी जोड़ी को 6-7 (5-7) 6-3 7-6 (10-7) से हराया। यह पहली बार है जब सैलिसबरी - स्कूप्स्की की जोड़ी ने पेरिस में पुरुष युगल में फाइनल में पहुंची हो। ब्रिटेन की सैलिसबरी- स्कूप्स्की की जोड़ी का शनिवार को फाइनल में स्पेन के मार्सेल ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से होगा।

ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के साथ आए एरोल मस्क, सर्वोटेक के साथ खेला फ्रेंडली मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर और तकनीकी क्षेत्र के दिग्गज एलन मस्क के पिता एरोल मस्क भारत दौरे के दौरान सर्वोटेक स्पोर्ट्स टीम के साथ टेनिस क्रिकेट बाल के एक फ्रेंडली मैच में शामिल हुए। इस मनोरंजक मैच से परे मस्क ने जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को पंख देने वाली टेनिस क्रिकेट बॉल लीग ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) को अपना मजबूत समर्थन दिया।

सर्वोटेक स्पोर्ट्स ने मई 2025 में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की शुरुआत की थी। इस लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। भारत दौरे के दौरान एरोल मस्क ने ना केवल खेल भावना दिखाई, बल्कि ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के उद्देश्य की सराहना भी की, जो पूरे देश में जमीनी स्तर की प्रतिभा को निखारने की दिशा में काम कर रही है। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के बारे में बात करते हुए सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ

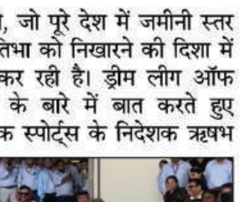

भाटिया ने कहा , हमारे लिए श्री एरोल मस्क की मेज़बानी करना गर्व की बात थी। उन्होंने न केवल खेल में भाग लिया, बल्कि उस सोच को भी समझा जो हम इस पहल के ज़रिए आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर की जा रही इस तरह की शुरुआत खेल और प्रतिभा को दुनिया भर में लोकतांत्रिक बनाने का सबसे सही तरीका है। उनके शब्द हमारी पूरी टीम के लिए प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के मुख्य रणनीतिकार चेतन्य नंदा ने कहा, एरोल मस्क का सर्वोटेक स्पोर्ट्स के साथ जुड़ना और ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का समर्थन करना हमारी कोशिशों को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद करेगा। सर्वोटेक स्पोर्ट्स का उद्देश्य जमीनी स्तर की प्रतिभा को निखारना है, ताकि टॉप परफॉर्मर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सके। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18+ वर्ष) दोनों वर्गों के लिए होगी, जिसमें दोनों कैटेगरी में छह-छह फ्रेंचाइज़ी हिस्सा लेंगी। इस लीग के दौरान पूरे देश में होने वाले मैचों को स्काउट्स द्वारा बारीकी से देखा जाएगा और यहीं से वर्ल्ड कप एवं एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन की आधारशिला रखी जाएगी।

भारत में बास्केटबॉल क्रांति की शुरुआतः एसीजी ने बीएफआई के साथ भारत की पहली प्रोफेशनल बास्केटबॉल लीग लॉन्च की

एजेंसी

मुंबई। भारतीय खेलों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए एसीजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के साथ साझेदारी में भारत की पहली पेशेवर बास्केटबॉल लीग की शुरुआत की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक पहल पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 5×5 और 3×3 प्रारूपों में संरचित प्रतिस्पर्धी लीग पेश करेगी, जो पूरे देश में एथलीटों को बास्केटबॉल को एक पेशेवर करियर के रूप में अपनाने का अवसर प्रदान करेगी। यह लीग भारत में बास्केटबॉल को खेलने, देखने और समर्थन करने के तरीके को पूर्णतः बदलने के उद्देश्य से डिज़ाइन की गई है। इसका लक्ष्य इस खेल को एक सीमित वर्ग तक सीमित रखने के बजाय मुख्यधारा के खेलों की श्रेणी में लाना है। यह पहल विश्वस्तरीय अवसंरचना, समग्र खिलाड़ी विकास और मजबूत सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से भारत को वैश्विक बास्केटबॉल मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने के लिए एक दीर्घकालिक उत्प्रेरक बनेगी। इस लीग का संचालन एसीजी स्पोर्ट्स प्रा. लि. द्वारा किया जा रहा है, जो कि एसीजी का ही एक डिवीजन है। एसीजी, फार्मास्युटिकल और न्यूट्रास्युटिकल उद्योगों के लिए एकीकृत विनिर्माण समाधान प्रदान करने वाला वैश्विक अग्रणी समूह है। एसीजी की समाज के उत्थान के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के चलते यह पहल उनके पिछले एक दशक से चल रहे जमीनी स्तर के बास्केटबॉल कार्यक्रमों का स्वाभाविक विस्तार है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय बास्केटबॉल लीग (एनबीएल) के पूर्व सीईओ और कमिश्नर जेरेमी लोएलिगर को एसीजी स्पोर्ट्स का निदेशक नियुक्त किया गया है, जो लीग की वैश्विक रणनीति और संचालन का नेतृत्व करेंगे। वे भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की गवर्नेंस, प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिक नवाचार लेकर आएंगे।एसीजी के प्रबंध निदेशक करन सिंह ने कहा, बास्केटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं है, यह चरित्र निर्माण, नेतृत्व और अवसर प्रदान करने का माध्यम है। हमारी एक दशक की यात्रा, जो जमीनी स्तर से शुरू हुई थी, का उद्देश्य देश भर में बास्केटबॉल को सुलभ बनाना और युवाओं के लिए व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त करना रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी इस प्रोफेशनल लीग की कल्पना एक ऐसे आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में की गई है, जहाँ हर प्रतिभाशाली बच्चा बास्केटबॉल में एक उज्जवल भविष्य देख सके। हम BFI के साथ इस साझेदारी के लिए आभारी हैं। यह शुरुआत तो सराहनीय है, लेकिन हमें पता है कि एक समृद्ध बास्केटबॉल संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास और सामूहिक समर्थन आवश्यक है। एसीजी की इस पहल में भूमिका केवल लीग संचालन तक सीमित नहीं है। अपनी दीर्घकालिक रणनीति के तहत एसीजी भारत का पहला पूर्णतः आवासीय हाई-परफॉर्मेंस सेंटर इसी वर्ष शुरू करेगा। यह अकादमी विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होगी, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से श्रेष्ठ प्रशिक्षकों को लाया जाएगा, और यह खिलाड़ियों, कोचों व रेफरियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेगी। पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक संतुलन को प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा, जिससे भविष्य के सितारों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

बांग्लादेश में बस खाई में गिरी, 55 लोग घायल

ढाका। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट सदर उप जिला के बुदरताल क्षेत्र में आज तड़के राजधानी ढाका जा रही एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 55 लोग घायल हो गए। इनमें आठ की हालत नाजुक है। इन आठ लोगों को रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। द डेली स्टार की खबर के अनुसार, पुलिस और स्थानीय सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना महेंद्रनगर-मोस्तोफी मार्ग पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। घायलों में से आठ की हालत गंभीर है और उन्हें रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। बाकी को लालमोनिरहाट सदर अस्पताल ले जाया गया। कई लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। लालमोनिरहाट सदर अस्पताल की रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. समीरा हुसैन चौधरी ने पुष्टि की कि 25 घायल यात्रियों का अभी भी इलाज चल रहा है, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं। घायलों में से एक सोहनुर इस्लाम ने बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और अचानक मोड़ पर उसने नियंत्रण खो दिया। कई महिलाएं और बच्चे बुरी तरह घायल हुए हैं। लालमोनिरहाट सदर थाना प्रभारी बादल कुमार मंडल ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही के कारण हुई।

अमेरिका में आईसीई ने एक लाख से ज्यादा अनधिकृत अप्रवासियों को गिरफ्तार किया

वाशिंगटन। अमेरिकी इमिग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट (आईसीई) इस समय अनधिकृत अप्रवासियों की धरपकड़ तेजी से कर रहा है। इस सप्ताह ऐसे लोगों का आंकड़ा एक लाख से अधिक हो गया। संघीय एजेंट पूरे अमेरिका में न्यायालयों, कार्यस्थलों और समुदायों में अनधिकृत अप्रवासियों की तलाश में जुटे हैं। सीबीएस न्यूज के अनुसार आईसीई ने इस अभियान के दौरान मंगलवार और बुधवार को 4000 (हर दिन लगभग 2000) से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के 100 दिन बाद का यह आंकड़ा सर्वाधिक है। आईसीई ने पूर्व राष्ट्रपति राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष प्रतिदिन लगभग 300 लोगों को गिरफ्तार किया था। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने करीब 3,000 अनधिकृत अप्रवासियों को रोजाना गिरफ्तार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अमेरिकी इमिग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट इस लक्ष्य को तेजी के साथ हासिल करने जी-तोड़ मेहनत कर रहा है। अमेरिकी इमिग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट के आंकड़ों के अनुसार तक देश भर में लगभग 54,000 अप्रवासी बंदियों को हिरासत में रखा गया था। बाकी को रखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ट्रंप प्रशासन कांग्रेस से अनुरोध कर रहा है कि वह आईसीई को हजारों अतिरिक्त निर्वासन अधिकारियों को नियुक्त करने और किसी भी समय 100,000 व्यक्तियों को हिरासत में रखने के लिए हिरासत क्षमता का विस्तार करने के लिए अरबों डॉलर का अतिरिक्त धन दे।

सेंटर ग्रुप ऑफ फोर्सेज ने 455 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को नष्ट कर दिया: रूसी रक्षा मंत्रालय

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय के सेंटर ग्रुप ऑफ फोर्सेज ने दुश्मन की रक्षा में गहराई तक आगे बढ़ना जारी रखा और यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने अपने जिम्मेदारी के क्षेत्र में 455 से अधिक सैनिकों को खो दिया। समूह के प्रवक्ता अलेक्जेंडर सावचुक ने यह जानकारी दी। श्री सावचुक ने कहा, -सेंटर ग्रुप ऑफ फोर्सेज ने विशेष सैन्य अभियान के क्षेत्र में लड़ाकू मिशनों को अंजाम देना जारी रखा है। समूह की इकाइयाँ दुश्मन की रक्षा में गहराई तक आगे बढ़ती रहीं, तीन मशीनीकृत, मोटर चालित पैदल सेना, जैगर, दो हवाई हमला ब्रिगेड, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के मरीन के दो ब्रिगेड और यूक्रेन के नेशनल गार्ड की एक ब्रिगेड को नुकसान पहुँचाया। उन्होंने कहा कि कोप्टेवो, दिमित्रोव, क्रास्नोर्मिस्क, सर्गेयेवका, उदाचनी और अलेक्सेयेवका के क्षेत्रों में शिकस्त दी गयी। श्री सावचुक ने कहा, दुश्मन के 455 से अधिक सैनिक, आठ लड़ाकू बख्तरबंद वाहन, जिनमें एक फ्रांसीसी निर्मित वीएबी बख्तरबंद कार्मिक वाहक, सात पिकअप और तीन फील्ड आर्टिलरी गन शामिल हैं, को नुकसान पहुंचा है।

रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों पर व्यक्तिगत रूप से निर्णय लेंगे : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों पर सीनेट के विधेयक को 'बहुत मजबूत' मानते हैं, लेकिन नए प्रतिबंध लगाने का निर्णय वह व्यक्तिगत रूप से लेंगे। राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस प्रेस पूल के संवाददाताओं से कहा, ''उनके पास विधेयक है, यह मेरे ऊपर निर्भर करेगा। यह मेरा विकल्प है। उन्होंने इसे इस तरह बनाया हैज यह एक बहुत मजबूत विधेयक है। उन्होंने कहा कि सीनेट एक विधेयक पर विचार कर रही है, जो यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाएगा - और रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाएगा। श्री ट्रंप ने कहा, मैंने इसका उपयोग करने का फैसला अभी नहीं किया है। यदि आवश्यक हुआ तो मैं इसका उपयोग करूंगा।राष्ट्रपति पुतिन से सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के सबसे हालिया हमले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने 'पुतिन को वहां जाकर बम गिराने का एक कारण दिया।' ये हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चेतावनी के बाद हुए, जिसे श्री ट्रम्प के माध्यम से बताया गया, कि रूस जवाबी हमला करेगा, क्योंकि यूक्रेनी ड्रोन ने रूस के भीतर कई रणनीतिक बमवर्षक विमानों को नष्ट कर दिया था।

400 ड्रोन और 40 मिसाइल! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे 'शक्तिशाली हमला'

एजेंसी

नई दिल्ली । रूस ने युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर अब तक का शक्तिशाली हवाई हमला किया है। रूस ने यूक्रेन के पूर्वी शहर खार्किव में रूसी ड्रोन और मिसाइल से हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इनके अलावा 80 लोगों के घायल होने की सूचना भी है। यूक्रेन के सबसे बड़े शहरों में से एक, खार्किव रूसी सीमा से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो पिछले करीब तीन साल से लगातार रूसी गोलाबारी का सामना कर रहा है। सुबह टेलीग्राम मैसेंजर पर खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव ने कहा, खार्किव में युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे शक्तिशाली हमला हुआ है। इसके साथ ही इहोर ने बताया शहर में रातभर दर्जनों विस्फोट सुने गए हैं। रूसी सैनिक मिसाइल और ड्रोन से हमला कर रहे थे। तेरेखोव ने बताया

कि इस हमले में बहुमंजिला और निजी आवासीय इमारतों, एजुकेशनल और इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी पर हमला किया गया। स्थानीय अधिकारियों और रॉयटर्स ने हमले के बाद की तस्वीरें ली हैं, जिसमें जले हुए और आंशिक रूप से तबाह हुए घर और गाड़ियां दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में बचाव दल घायलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के साथ मलबा हटाता नजर आ रहा है। खार्किव के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया है कि शहर की एक सिविलियन इंडस्ट्रियल फैसिलिटी पर 40 ड्रोन, एक मिसाइल और चार बम से हमला किया गया। इससे यहां आग लग गई। यहां अभी भी मलबे के नीचे लोग हो सकते हैं। यूक्रेनी सेना ने बताया कि यहां 10 स्थानों पर हमला किया गया है। सेना के मुताबिक रूस ने रात भर यूक्रेन पर 206 ड्रोन, 2 बैलिस्टिक और सात अन्य मिसाइलें दागीं। एयर डिफेंस यूनिट ने 87 ड्रोन को मार गिराया, जबकि अन्य 80 ड्रोन का पता नहीं चला। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर लिखा, 'आज () पूरे दिन हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों और शहरों में बचाव और आपातकालीन अभियान जारी रहे। रूसियों ने 400 से ज्यादा ड्रोन और 40 से अधिक मिसाइल दागीं। 80 लोग घायल हुए और कुछ अभी भी मलबे में दबे हो सकते हैं। दुर्भाग्य से, दुनिया में हर कोई ऐसे हमलों की निंदा नहीं करता। पुतिन इसी का फायदा उठाते हैं। रूस लगातार दुनिया की एकता में दरार डालने की कोशिश कर रहा है।

नेपाल के 76 जिलों में से 71 डेंगू की गिरफ्त में

एजेंसी

काठमांडू। मानसून की शुरुआत होते ही डेंगू के बढ़ते प्रकोप ने नेपाल सरकार की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रोग नियंत्रण महाशाखा के अनुसार नेपाल के 76 जिलों में 71 डेंगू की गिरफ्त में हैं। 1081 डेंगू पीड़ित देशभर के अस्पतालों में भर्ती हैं। इपिडेमियोलॉजी महाशाखा के निदेशक डॉक्टर चंद्रपाल झा के अनुसार, कोसी प्रदेश में 239, बागमती प्रदेश में 297, गंडकी प्रदेश में 182, लुंबिनी प्रदेश में 163, सुदूर पश्चिम में 156, कर्णाली में 30 और मधेश में 14 संक्रमित अस्पतालों में भर्ती हैं। झा के मुताबिक पिछले एक दशक के रिकॉर्ड को देखा जाए तो सबसे अधिक असर जून से सितंबर तक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आने वाले चार माह और चिंताजनक हो सकते हैं। नेपाल में पहली बार 2004 में चितवन घूमने आए एक विदेशी नागरिक में डेंगू का संक्रमण पाया गया था। इसके बाद 2006 में मैदानी जिलों में डेंगू का संक्रमण देखा गया।

2016 में चितवन झापा और रूपंदेही में डेंगू के से 12 लोगों की मौत भी हो गई। सन 2022 में सभी 77 जिलों में डेंगू का प्रभाव रहा। इस साल 54000 से अधिक संक्रमित पाए गए। इनमें से 88 की मौत भी हो गई। 2023 में कोसी प्रदेश में डेंगू से 20 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 52 हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए थे। नेपाल के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार इन संक्रमितों में 31 फीसद सिर्फ सुनसरी जिले के थे। सन 2024 में 35000 लोग डेंगू की जद में आए और 13 लोगों की मौत हो गई।

गलती से निर्वासित एब्रेगो गार्सिया की एल साल्वाडोर से अमेरिका वापसी,चलेगा मुकदमा

जेंसी

वाशिंगटन। आखिरकार लंबी कानूनी लड़ाई के बाद एब्रेगो गार्सिया की एल साल्वाडोर से अमेरिका वापसी हो गई। ट्रंप प्रशासन ने दो माह पहले स्वीकार किया था कि गलती से अब्रेगो गार्सिया को मैरीलैंड से उनके मूल देश अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया है। इस बीच एक संघीय ग्रैंड जूरी ने गार्सिया पर कथित रूप से अवैध प्रवासियों को अमेरिका प्रवेश कराने क आरोप लगाया है। एबीसी न्यूज के अनुसार, पिछले महीने टेनेसी की संघीय अदालत में सीलबंद आरोप दायर किए गए थे। उन्हें खोला गया। इनमें 29 वर्षीय अब्रेगो गार्सिया पर टेक्सास से अवैध प्रवासियों को देश के अंदरूनी हिस्सों में ले जाने का आरोप है। गार्सिया को एल साल्वाडोर से लाकर शुक्रवार शाम टेनेसी के मध्य जिले की अदालत में पेश किया गया। अमेरिकी जज बारबरा होम्स ने उनसे पूछा कि क्या वे अपने खिलाफ आरोपों को समझते हैं। उन्होंने स्पेनिश में कहा- हां। जज ने अगली सुनवाई की

तारीख 13 जून मुकर्रर की है। इस अदालत में एब्रेगो गार्सिया पर मुकदमा चलाया जाएगा। गार्सिया अगली सुनवाई तक टेनेसी में संघीय हिरासत में रहेंगे। अब्रेगो गार्सिया के वकील साइमन सैंडोवल-मोशेनबर्ग ने ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग में अपने मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन सत्ता का दुरुपयोग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि गार्सिया के खिलाफ अभियोग चलाने के फैसले के कारण टेनेसी में उच्च पदस्थ संघीय अभियोजक बेन श्रेडर को अचानक पद छोड़ना पड़ा है।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के चार जजों पर प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के चार जजों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के इन जजों पर न्यायालय का राजनीतिकरण करने और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि इन चार जजों में से एक ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया। दूसरे ने अफगानिस्तान में अमेरिकी कर्मियों की कार्रवाई की आलोचना करते हुए उन्हें निशाना बनाया। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि पिछले साल आईसीसी के प्रीट्रायल और ट्रायल डिवीजन के न्यायाधीश रेइन एडिलेड सोफी अलापिनी गांसौ और उनकी बेटी जज होहलर ने नेतन्याहू और पूर्व रक्षामंत्री योव गैलेंट को लक्षित करते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। युगांडा के न्यायाधीश सोलोमी बलुंगी बोसा और पेरू के लूज डेल कारमेन इबनेज कैरान्जा आईसीसी के अपील डिवीजन की एक टीम का हिस्सा थे। इस टीम ने अफगानिस्तान में अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ जांच शुरू करने

का मार्ग प्रशस्त किया। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा कि आईसीसी के न्यायाधीशों के रूप में इन चार व्यक्तियों ने अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी इजराइल को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि आईसीसी का राजनीतिकरण हो चुका है। यह प्रतिबंध किस तरह के हैं, इस पर स्पष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका के इस कदम पर आईसीसी ने जारी बयान में कहा कि यह उपाय एक अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्था की स्वतंत्रता को कमजोर करने का स्पष्ट प्रयास है। नवंबर 2024 में आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान ने नेतन्याहू और गैलेंट के साथ-साथ हमास के तीन वरिष्ठ नेताओं के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए। इस कदम का बाइडेन प्रशासन ने भी विरोध किया था। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली यौन दुराचार जांच के बीच खान अपनी भूमिका से इस्तीफा दे चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मतभेद के बीच एलन मस्क ने 'द अमेरिका पार्टी' बनाने का दिया संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलॉन मस्क ने अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का संकेत दिया है, जिसका नाम 'द अमेरिका पार्टी' हो सकता है। उनके इस कदम से अमेरिकी राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है।हालांकि मस्क ने कोई प्रत्यक्ष घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट ने व्यापक चर्चाओं को हवा दे दी है।एक पोस्ट में, मस्क ने एक पोल (सर्वे) किया था जिसमें उन्होंने पूछा था कि क्या संयुक्त राज्य अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि 80 प्रतिशत लोगों ने इस विचार का समर्थन किया। उन्होंने लिखा, जनता ने अपनी बात कह दी है। अमेरिका में मध्यम वर्ग के 80 प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक नए राजनीतिक दल की आवश्यकता है।

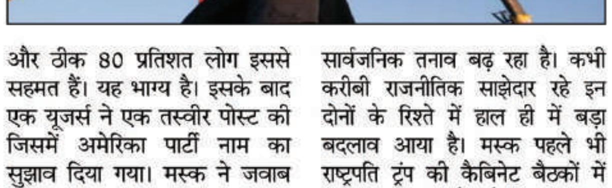

और ठीक 80 प्रतिशत लोग इससे सहमत हैं। यह भाग्य है। इसके बाद एक यूजर्स ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें अमेरिका पार्टी नाम का सुझाव दिया गया। मस्क ने जवाब दिया, अमेरिका पार्टी नाम बहुत अच्छा लगता है। यह पार्टी वास्तव में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करती है। इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट किया जिसमें लिखा थाः द अमेरिका पार्टी। मस्क की ये पोस्ट्स ऐसे समय में आई हैं जब उनके और पूर्व सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सार्वजनिक तनाव बढ़ रहा है। कभी करीबी राजनीतिक साझेदार रहे इन दोनों के रिश्ते में हाल ही में बड़ा बदलाव आया है। मस्क पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठकों में शामिल हो चुके हैं और राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भी मौजूद थे। उन्हें सरकारी दक्षता विभाग विभाग का प्रमुख भी नियुक्त किया गया था और और उन्होंने ट्रंप के लिए सक्रिय रूप से प्रचार भी किया था।हालांकि, अब यह गठबंधन टूटता दिख रहा है। मस्क ने सरकारी दक्षता विभाग विभाग के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया और तब से वे खुले तौर पर ट्रंप की आलोचना कर रहे हैं। एक चौंकाने वाली पोस्ट में उन्होंने जोर देकर कहा, मेरे बिना, ट्रंप चुनाव हार जाते, डेमोक्रेट हाउस को नियंत्रित करते और रिपब्लिकन सीनेट में 51-49 होते... ऐसी कृतघ्नता। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मस्क की कंपनियों को दी गई सब्सिडी और सरकारी अनुबंधों को रद्द करने की धमकी दी है। पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने मतभेद को स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान कहा, एलन मस्क और मेरे बीच बहुत अच्छे संबंध थे।

पाकिस्तान के पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी की विस्फोट में मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी की आज सीएमएच खारियन बर्न सेंटर में मौत हो गई। वह कोहाट के आजम बाग में हुए गैस रिसाव विस्फोट में घायल हो गए थे। पुलिस ने उन्हें बर्न सेंटर में भर्ती कराया था। द नेशन अखबार की खबर के अनुसार, दिवंगत अब्बास अफरीदी के जनाजे की नमाज कोहाट के बाबरी बंदा में अदा की जाएगी। अफरीदी मार्च 2009 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में पाकिस्तान की सीनेट के लिए चुने गए थे। उन्होंने 19 मार्च, 2014 को कपड़ा उद्योग के संघीय मंत्री

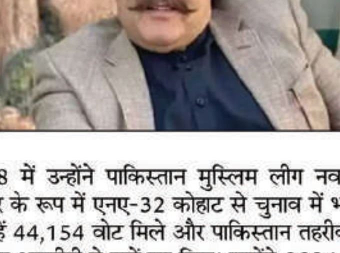

के रूप में शपथ ली। 2018 में उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के उम्मीदवार के रूप में एनए-32 कोहाट से चुनाव में भाग लिया। वह चुनाव हार गए। उन्हें 44,154 वोट मिले और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार शहरयार अफरीदी ने उन्हें हरा दिया। उन्होंने 2024 के आम चुनाव में भी एनए-35 कोहाट से पीएमएल (एन) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। यह चुनाव भी वह हार गए। देश के राजनेताओं ने पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर प्रांतों को भारत के खिलाफ किया लामबंद

एजेंसी

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर में चारों खाने चित्त होने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अब सिंधु जल संधि पर देश की प्रांतीय सरकारों को भारत के खिलाफ लामबंद करना शुरू कर दिया है। शरीफ ने सिंधु जल संधि के निलंबन के फैसले को जल आक्रामकता का घोर उल्लंघन करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत को इसका जवाब देने का समय आ गया हैद नेशनल अखबार की खबर के अनुसार, शहबाज ने आज चेतावनी दी कि पाकिस्तान 24 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। प्रधानमंत्री आवास पर जल संसाधनों पर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सिंधु जल संधि के मसले पर जीत होगी। शरीफ ने यह भी दुहाई दी कि यह न्याय की लड़ाई है। यह लड़ाई हमें एकता के साथ लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि का उल्लंघन करने का प्रयास करके पानी को हथियार बनाने की भारतीय धमकियां हर दिन बढ़ रही हैं। बैठक में मौजूद सभी प्रांत के मुख्यमंत्रियों ने सिंधु जल संधि पर संघीय सरकार के रुख के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने इस एकजुटता की सराहना की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री शहबाज ने नई बांध परियोजनाओं के वित्त पोषण की देखरेख के लिए उप प्रधानमंत्री इशाक डार के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय समिति की स्थापना का आदेश दिया। समिति में सभी प्रांत के मुख्यमंत्री, एजेके के प्रधानमंत्री और संबंधित संघीय मंत्री शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गैर-विवादास्पद जलाशयों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में उप प्रधानमंत्री इशाक डार, फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर, रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, योजनामंत्री अहसान इकबाल, कानूनमंत्री आजम नजीर तरार, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार, बिजली मंत्री ओवैस लेघारी, जल संसाधन मंत्री मुनीब वट्टू, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती, गुलाम जम्मूकश्मीर के प्रधानमंत्री अनवारुल हक और गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री गुलबर खान के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मौजूद सभी प्रांत के मुख्यमंत्रियों ने सिंधु जल संधि पर संघीय सरकार के रुख के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की।

मेरिका में 19 देशों के लोगों के प्रवेश पर रोक, आदेश नौ जून से प्रभावी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने 12 देशों के नागरिकों और अप्रवासियों के संयुक्त राज्य अमेरिका आने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा सात देशों के लोगों के प्रवेश को आंशिक रूप से प्रतिबंधित किया है। यह प्रतिबंध आदेश नौ जून से लागू होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह इस आशय के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रतिबंध घोषणा में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का हवाला दिया गया है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन पूर्ण प्रतिबंध की श्रेणी में शामिल हैं। आंशिक प्रतिबंध की श्रेणी में बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला को रखा गया है। राष्ट्रपति के आदेश में अमेरिकी स्थायी निवासी और

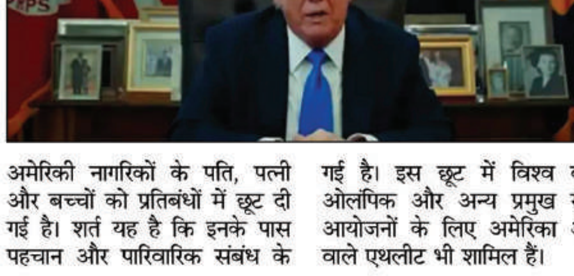

अमेरिकी नागरिकों के पति, पत्नी और बच्चों को प्रतिबंधों में छूट दी गई है। शर्त यह है कि इनके पास पहचान और पारिवारिक संबंध के स्पष्ट और पुख्ता सबूत होने चाहिए। अमेरिकी सेना की सहायता करने वाले और विशेष वीजा रखने वाले अफगान राजनयिक को भी छूट दी गई है। इस छूट में विश्व कप, ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों के लिए अमेरिका आने वाले एथलीट भी शामिल हैं।

आजीवन कारावास के आरोपित को बरी करने पर हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में 23 लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व मंत्री सहित पांच लोगों को रिहा करने वाले हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस पर सुनवाई के लिए न्याय परिषद की आकस्मिक बैठक भी बुलाई गई है। नेपाली कांग्रेस के बाहुबली नेता पूर्व मंत्री और तीन बार के सांसद आफताब आलम सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों को सबूतों के अभाव में हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने रिहा करने का आदेश दिया था। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुख्ता प्रमाण होने के कारण इन सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करके इन पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट की तरफ से राजनीतिक दबाव में यह फैसला किए जाने की बात कहते हुए नेपाल बार एसोशिएशन ने न्याय परिषद में लिखित शिकायत की है। साथ ही हाई कोर्ट के दोनों जजों और देश के कानून मंत्री अजय चौरसिया के खिलाफ जांच की मांग की है। परिषद ने आज आकस्मिक बैठक बुलाई है। इस शिकायत में इस तरह का आदेश देने वाले हाई कोर्ट के दोनों जजों और कानून मंत्री के फैसले के दो दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक के कॉल डिटेल रिकॉर्ड मंगाने की बात भी कही गई है।

जंगल की आग के धुएँ के कारण शहरों में वायु की गुणवत्ता हुयी खराब

एजेंसी

ओटावा। उत्तरी ओंटारियो और कनाडा के प्रेयरीज में लगी जंगल की आग के धुएँ के कारण टोरंटो, ओटावा और मॉन्ट्रियल सहित प्रमुख शहरों में वायु की गुणवत्ता खराब हो गई और दृश्यता कम हो गई। पर्यावरण कनाडा ने इन क्षेत्रों के लिए विशेष वायु गुणवत्ता वक्तव्य जारी किए, जिसमें चेतावनी दी गई कि वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से पीड़ित लोगों को बाहर ज़ोरदार गतिविधियों से बचना चाहिए और लक्षण होने पर चिकित्सा सहायता लेनी

चाहिए। पर्यावरण कनाडा के डेविड फिलिप्स ने 'सीटीवी न्यूज़' पर कहा कि जैसे-जैसे देश भर में जंगल की आग बढ़ती जा रही है, वायु की गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है। श्री फिलिप्स ने कहा, इस सप्ताह हमने ओंटारियो में जो देखा है, वह यह है कि आग से निकलने वाला धुआँ दक्षिण की ओर आ गया है। उन्होंने कहा, केवल कुछ ही लोग लपटों को देख पाते हैं, लेकिन लाखों लोग धुएँ को सूंघ पाते हैं।स्विस वायु गुणवत्ता ट्रैकर आईक्यूएआईआर के डेटा के अनुसार, शुक्रवार दोपहर टोरंटो की वायु गुणवत्ता दुनिया में दूसरी सबसे खराब थी।

रूस में यूक्रेन की ओर से किये गये ड्रोन हमले में दो लोग घायल : वोरोब्योव

मास्को। रूस में मास्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा कि यूक्रेन की ओर से किये गये हमले में दो लोग घायल हुए हैं। श्री वोरोब्योर ने टेलीग्राम पर कहा, वायु रक्षा प्रणाली ने मास्को क्षेत्र में दुश्मन के ड्रोन हमले को विफल कर दिया। पिछले 24 घंटे में ज़ारायस्क, ओडिंटसोवो, डोमोडेडोवो, इस्त्रा और सोलनेचनोगोर्स्क क्षेत्र के ऊपर नौ ड्रोन को मार गिराया गया। इस्त्रा में ड्रोन के टुकड़ों से दो नागरिक (एक पुरुष और एक महिला) घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधा मुहैया करायी जा रही है। उनकी हालत स्थिर है और जान को कोई खतरा नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमलों के कारण एक निजी घर भी क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही एक कार भी क्षतिग्रस्त हुयी है। पीड़ितों के लिए पुनर्वास और सहायता की निगरानी की जा रही है।

बड़े पर्दे पर दिखेगी आयुष्मान खुराना

शरवरी वाघ

की फ्रेश जोड़ी, सूरज बड़जात्या की फिल्म में होंगे साथ

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म थामा को लेकर सुर्खियों में हैं. ये फिल्म इसी साल दिवाली पर रिलीज होने वाली है. आयुष्मान इस फिल्म के साथ मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी युनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं. इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी होंगी. अब आयुष्मान के एक नए प्रोजेक्ट के बारे में भी एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है.कुछ वक्त पहले ये खबर आई थी कि आयुष्मान खुराना राजश्री प्रोडक्शन के मालिक सूरज बड़जात्या की आने वाली फिल्म में दिखाई दे सकते हैं. ये भी अपडेट थी कि वो अब बॉलीवुड के नए प्रेम हो सकते हैं. इससे पहले ये तमगा सलमान खान के पास था. अब इस फिल्म को लेकर एक नई खबर सामने आई है.

फीमेल लीड होंगी शरवरी

पिंकविला की खबरों के मुताबिक, सूरज और आयुष्मान की इस फिल्म में फीमेल लीड का रोल एक्ट्रेस शरवरी वाघ प्ले कर सकती हैं. ये फिल्म न्यूक्लियर फैमिलीज के बढ़ते चलन पर हो सकती है, और फिल्म में शरवरी और आयुष्मान की फ्रेश पेयरिंग देखने को मिल सकती है. पिंकविला की इसी रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि इस फिल्म की शूटिंग आयुष्मान नवंबर 2025 से शुरू कर सकते हैं, यानी थामा की रिलीज के बाद आयुष्मान इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं.

कब तक रिलीज होगी फिल्म

खबरों के मुताबिक, शरवरी, आयुष्मान और टीम को दिसंबर में ज्वॉइन कर सकती हैं. साथ ही इस फिल्म को शूट करने में 6 महीनों का वक्त लगेगा और फिल्म की रिलीज साल 2026 के सेकेंड हाफ यानी जुलाई के बाद हो सकती है. फिल्म की कास्टिंग का काम चल रहा है और कहानी को लॉक कर लिया गया है. ये एक रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर की फिल्म हो सकती है. बात करें, एक्टर आयुष्मान खुराना और शरवरी के आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में तो आयुष्मान मैडॉक के साथ थामा, और करण जौहर के साथ एक अनटाइटिल्ड प्रोजेक्ट को लेकर खबरों में हैं. वहीं शरवरी, YRF स्पाई युनिवर्स की अगली फिल्म एल्फा में नजर आएंगीं. इसके अलावा भी उनके पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं.

72 साल पहले आई सुनील दत्त की वो फिल्म, जिसने सलमान खान की इस पिक्चर से ज्यादा पैसे छापे थे

60 के दशक में एक ऐसा एक्टर आया था, जिसने कई बेहतरीन फिल्में दीं. उनका नाम सुनील दत्त था. संजय दत्त के पिता और एक्ट्रेस नरगिस के पति सुनील दत्त एक जबरदस्त एक्टर थे. उनकी एक फिल्म आई थी 'मदर इंडिया', जिसने उस दौर में करोड़ों की कमाई की थी. इस फिल्म ने उस दौर में इतना कमा लिया था, जितना आज के दौर की कई बिग बजट और स्टारकास्ट वाली फिल्में नहीं कमा पातीं. आज सुनील दत्त के जन्मदिन पर आईए जानते हैं उनकी फिल्म मदर इंडिया की कमाई के बारे में.6 जून 1929 को ब्रिटिश इंडिया के खुर्द (अब पाकिस्तान) में जन्में सुनील दत्त ने बतौर आरजे काम शुरू किया था. किस्मत से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला और उनकी पहली फिल्म 'रेलवे प्लेटफॉर्म' (1955) रिलीज हुई. इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में कीं जिनमें से एक 'मदर इंडिया' थी. अगर उस दौर की मदर इंडिया को कमाई के मामले में सलमान खान की फिल्म राधे से कम्पेयर किया जाए, तो भाईजान काफी पीछे रह जाएंगे.

'मदर इंडिया' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

1957 में रिलीज हुई फिल्म 'मदर इंडिया' का निर्देशन और निर्माण महबूब खान ने किया था. इस फिल्म में सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार ने उस दौर की सुपरस्टार एक्ट्रेस नरगिस के बेटे का रोल प्ले किया था. इस फिल्म की कहानी जबरदस्त थी और बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म 'मदर इंडिया' का बजट 1 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 9 करोड़ था, वहीं भारत में फिल्म ने 8.20 करोड़ का कारोबार किया था.

'राधे' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

2021 में आई सलमान खान की फिल्म 'राधे' का निर्देशन प्रभु देवा ने किया था, जबकि फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान और उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने किया था. ये फिल्म कोरोना के दौर में लिमिटेड सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसकी वजह से इसके कलेक्शन पर असर पड़ा था. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 90 करोड़ था लेकिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 18.60 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि भारत में फिल्म ने महज 10 लाख का कलेक्शन किया था.

सर्जरी के बाद दीपिका के पति शोएब ने शेयर किया एक्ट्रेस का हेल्थ अपडेट, कहा- पहले दिन के मुकाबले...

टेलीविजन की कई एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्हें घर-घर में पहचान मिली है, इन्हीं में से एक नाम दीपिका कक्कड़ का है. दीपिका सीरियल ससुराल सिमर का में लीड रोल निभाने के लिए जानी जाती हैं. हालांकि, वो काफी वक्त से किसी सीरियल में नजर नहीं आयी हैं, लेकिन उसके बावजूद उनके फैंस दिन-ब-दिन बढ़ते नजर आ रहे हैं. हाल ही में एक्ट्रेस तब ज्यादा चर्चा में आई, जब उनके लिवर में टेनिस-बॉल के साइज का ट्यूमर मिला, जो कि सेकेंड स्टेज के कैंसर है.

दीपिका कक्कड़ के फैंस सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े हुए हैं. एक्ट्रेस और उनके पति शोएब इब्राहिम यूट्यूब और इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस से जुड़े हुए हैं और अपनी जिंदगी से रोजमर्रा की चीजें शेयर करते हैं. इसी दौरान जब दोनों ने एक्ट्रेस के ट्यूमर के बारे में खुलासा किया, तो वो इमोशनल थे साथ ही एक्ट्रेस के फैंस भी काफी हैरान हो गए थे. हालांकि, अब एक्ट्रेस के ट्यूमर की सर्जरी हो चुकी है. शोएब ने हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट हेल्थ अपडेट दी है.

ICU से आ गईं बाहर

हाल ही में शोएब ने अपने यूट्यूब पर एक नया व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस की अभी की हालत के बारे में सभी को बताया है. उन्होंने बताया है कि दीपिका फिलहाल रिकवरी कर रही हैं और उन्हें ड्डष्ट से नॉर्मल रूम में शिफ्ट कर दिया गया है. साथ ही एक्टर ने ये भी बताया है कि जल्दी अगर रिकवरी हो जाती है, तो दीपिका घर भी जा पाएंगी. दीपिका की सर्जरी के बारे में एक्टर ने शेयर करते हुए कहा कि उनकी सर्जरी 14 घंटे की थी. शोएब ने बताया कि जब ज्यादा वक्त लगने लगा तो मैं पैनिक करने लगा था.

पैनिक करने लगे थे शोएब

शोएब ने कहा, जब दीपिका IC में गई तो काफी वक्त के बाद अंदर से को खबर नहीं आ रही थी. मैं और मेरा परिवार पैनिक कर लगे, क्योंकि किसी ने अभी तक इतनी लंबी सर्जरी नहीं देखी थी. हालांकि, उन्होंने अभी के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले दिन के मुकाबले दीपिका बहुत ज्यादा बेहतर हैं. साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि दीपिका का चलना-फिरना शुरू हो गया है और अब वो नॉर्मल डाइट पर हैं. एक्ट्रेस की सर्जरी 3 दिन पहले हुई है.

शादी के बाद से सीधा रियलिटी शो में दिखेंगे

हिना खान

रॉकी जायसवाल, बाकी कपल के बीच साबित करेंगे अपना प्यार

हिना खान काफी वक्त से कैंसर की बीमारी से जूझ रही थीं. इस दौरान उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ अपने रिश्ते को सोशल मीडिया पर पूरी तरह से सामने ला दिया था. हालांकि, रॉकी ने इस मुश्किल वक्त में हिना का काफी ख्याल भी रखा था. हालांकि, दोनों के फैंस को तब झटका लगा, जब दोनों ने शादी की फोटोज अपने सोशल मीडिया पर शेयर की. 4 जून को एक्ट्रेस ने रॉकी के साथ प्राइवेट तरीके से शादी रचा ली. अब उनके फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आ गई है.

हिना ने शादी की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर ही की है. उन्होंने काफी सिंपल लुक में तैयार होकर शादी रचाई है. अब शादी की खबर आने के साथ ही साथ ये न्यूली वेड कपल अपने असल जिंदगी के कनेक्शन को रियलिटी शो में भी दिखाने के लिए तैयार हैं. इस शो में और भी कई सारे कपल नजर आने वाले हैं. शो की बारे में बा करें, तो ये कपल सेलिब्रिटी रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आएगा, जहां उनकी रियल लाइफ केमेस्ट्री देखने का मौका मिलेगा.

प्रोमो किया गया है रिलीज

हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन इस शो को होस्ट करने के लिए बेहद खूबसूरत बॉलीवुड एक्ट्रेस का नाम सामने आया है, जो कि सोनाली बेंद्रें हैं. शो के मेकर्स की माने, तो ये शो पति-पत्नी के रिश्ते में टीम वर्क, नोकझोंक को दिखाएगा. ये शो कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट किया जाएगा. कुछ वक्त पहले कलर्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो का प्रोमो भी रिलीज किया गया था.

कौन-कौन होंगे शामिल ?

शो में बाकी कपल की बात करें, तो भारती सिंह- हर्ष लिंबाचिया, गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, जैस्मिन भसीन-अली गोनी, तेजस्वी प्रकाश-करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, सुदेश लहरी-उनकी पत्नी और अविका गोर मिलिंद चंदवानी जैसे लोगों को अप्रोच किया गया है. हालांकि, कपल्स के नाम के साथ शो सुनने में जितना मजेदार लग रहा है, उसके लिए लोग काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं.

कोई भी पुण्य कार्य जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है.. डा. इंद्र गोयल

दिव्य दिल्ली : हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा) : अखिल भारतीय सेवा संघ ने निर्जला एकादशी पर ठंडे जल की सेवा की और इसके महत्व के बारे में बताया। इस दिन ठंडे जल की सेवा करने से प्यासे और जरूरतमंद लोगों को राहत मिलती है, और यह एक पुण्य कार्य माना जाता है। डा.इंद्र गोयल ने कहा की निर्जला एकादशी पर ठंडे जल की सेवा करने से पुण्य प्राप्त होता है और यह एक धार्मिक कार्य माना जाता है। ठंडे जल की सेवा करने से प्यासे लोगों को राहत मिलती है और उनकी प्यास बुझाई जा सकती है। भीषण गर्मी के मौसम में ठंडे जल की सेवा करने से लोगों को गर्मी से राहत मिलती है और उनकी सेहत में सुधार होता है। निर्जला एकादशी पर ठंडे जल की सेवा करने से आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है और यह एक आत्म-शुद्धि का कार्य माना जाता है। कोई भी सेवा कार्य करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। अखिल भारतीय सेवा संघ के शाखा सचिव अशोक चाचान ने कहा की प्रत्येक सदस्य अपनी सदस्यता ग्रहण करते हुए सेवा का संकल्प लेता है की वह जब भी कोई अवसर मिलेगा तो वह सेवा में लग जाएगा, यही अखिल भारतीय सेवा संघ का उद्देश्य है। अखिल भारतीय सेवा संघ के सेवा रतन श्री अशोक अरोड़ा ने इस पुण्य कार्य पर सभी सदस्यों को बधाई दी और श्री गोविंद मेहता जी ने ठंडे जल और मीठे दूध की सेवा की, अध्यक्ष सूरज बंसल ने सभी को निर्जला एकादशी की बधाई दी।

पीएम मोदी से मिले ब्रिटेन के विदेश मंत्री, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जताया समर्थन

नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने शनिवार को यहां भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने के प्रति ब्रिटेन की गहरी रुचि को रेखांकित किया और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले की निंदा की तथा सीमापार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए समर्थन जताया।

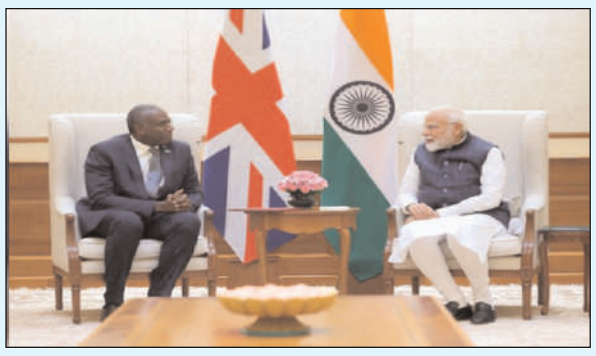

प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उल्लेखनीय प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करता हूं, जिसे हाल ही में संपन्न एफटीए ने और मजबूत किया है। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में ब्रिटेन के समर्थन की सराहना करता हूं।"

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते और दोहरे योगदान सम्मेलन के सफल समापन पर संतोष व्यक्त किया और दोनों पक्षों द्वारा रचनात्मक सहयोग की सराहना की, जिसके कारण यह मील का पत्थर हासिल हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति का भी स्वागत किया और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के गहराने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल के तहत निरंतर सहयोग का स्वागत किया और विश्वसनीय और सुरक्षित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने की इसकी क्षमता का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, "विदेश मंत्री डेविड लैमी ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने में ब्रिटेन की गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एफटीए दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खोलेगा।"

दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया है, "ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए समर्थन व्यक्त किया।

पिछले 11 वर्षों में कृषि के लिए संस्थागत ऋण 7.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 27.5 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में कृषि के लिए संस्थागत ऋण 7.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 27.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी शनिवार को वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "पीएम नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि अन्नदाता को समय पर वित्तीय सहायता मिले और इसके लिए उसे इंतजार न करना पड़े।

भोजन हमारी ऊर्जा का स्रोत, खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर कहा कि खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देना स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जरूरी है।

हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है, ताकि असुरक्षित भोजन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को रोका, पहचाना और नियंत्रित किया जा सके।

इस साल का थीम ह्यखाद्य सुरक्षाः विज्ञान को अमल में लानाह्न है, जो खाद्य जनित बीमारियों को कम करने, लागत बचाने और जिंदगियां बचाने में वैज्ञानिक ज्ञान के महत्व पर जोर देता है।

जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर हम स्वच्छ और सुरक्षित भोजन की अहमियत को समझते हैं, जो स्वास्थ्य की रक्षा करता है और खाद्य जनित बीमारियों को रोकता है। भोजन हमारी ऊर्जा का स्रोत है। खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देकर हम अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।"

उन्होंने कहा कि इस साल का थीम विज्ञान और तकनीक के जरिए खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का जश्न मनाता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भी एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, "विज्ञान खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है। प्रयोगशालाओं से लेकर मानक तय करने तक, विज्ञान हमें सही विकल्प चुनने में मदद करता है। समझदारी से चुनें, सुरक्षित खाएं!"

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से दूषित भोजन 200 से ज्यादा बीमारियों का कारण बन सकता है। सुरक्षित भोजन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाह देता है कि भोजन को साफ रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग करें, अच्छी तरह पकाएं, सुरक्षित तापमान पर रखें और खाना बनाते समय साफ पानी का इस्तेमाल करें।

केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के मौके पर पोस्ट किया, जिसमें कहा, "विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर हम सुरक्षित खाद्य आदतों को अपनाने का संकल्प लें। सुरक्षित भोजन सभी की जिम्मेदारी है और यह स्वस्थ, मजबूत और सुरक्षित कल की नींव है।"

राहुल गांधी पर चुनाव आयोग का तंज, मैच हारने के बाद रेफरी को दोष देना नई आदत...

नई दिल्ली । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगातार राहुल गांधी के द्वारा लगाया जा रहा है। चुनाव आयोग की तरफ से राहुल गांधी के इस आरोप का एक बार पहले भी सिलसिलेवार तरीके से जवाब दिया जा चुका है। इसके बाद एक बार फिर से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र चुनाव में 'हेराफेरी' का बड़ा आरोप लगाया और एक-एक कर बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों में कैसे धांधली की गई और बीजेपी को फायदा पहुंचाया गया।

राहुल गांधी ने इसे 'चुनाव कैसे चुराया जाए?' नाम दिया।

दरअसल, अंग्रेजी अखबार में छपे 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक वाले लेख को राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। इसमें उन्होंने 'चुनाव कैसे चुराया जाता है?' के नाम से चरणबद्ध तरीके से बताया कि उनके अनुसार इस चुनाव में कैसे यह गड़बड़ी की गई। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में पर लिखा, 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की एक सुनियोजित योजना थी। उन्होंने ट्वीट में इसके साथ ही आगे यह भी दावा कर दिया कि बीजेपी की नजर अब बिहार विधानसभा चुनाव पर है, जो इस साल के अंत में होने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा, महाराष्ट्र में जो मैच-फिक्सिंग हुई, वही अब बिहार में होगी और फिर यह हर उस जगह पहुंचेगी, जहां बीजेपी हार रही है।

इसका जवाब राहुल गांधी को एक बार फिर चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को जवाब देते हुए कहा है, "मैच हारने के बाद रेफरी को दोष देना अब एक नई और बेतुकी आदत बन चुकी है।"

चुनाव आयोग ने यह भी साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को उनके द्वारा किए गए सवालों का जवाब पहले ही 24 दिसंबर 2024 को दिया जा चुका है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि उन्हें दिया गया जवाब चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोप को पूरी तरह बेबुनियाद और कानून का अपमान बताया।

चुनाव आयोग ने इसके साथ ही कहा कि इस तरह की भाषा लोकतंत्र के लिए जहर जैसी है। चुनाव आयोग को बदनाम करना, केवल एक संस्थान पर नहीं बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है।

इससे पहले भारतीय निर्वाचन आयोग ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर किए गए "आधारहीन" और "अनुचित" दावों का बिंदुवार जवाब दिया था और वास्तविक तथ्यों को सामने रखा था।

तब राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता के साथ समझौता किया गया है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का तब उदाहरण दिया था। इसका जवाब चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया था।

राहुल गांधी ने तब मतदान के आखिरी दो घंटों में 65 लाख वोट डाले जाने के चुनाव आयोग के "तर्क" पर सवाल उठाते हुए इसे "असंभव" बताया था।

चुनाव आयोग ने इसके बाद जारी बयान में कांग्रेस सांसद के दावों को खारिज करते हुए महाराष्ट्र चुनाव से जुड़े तथ्य और डेटा साझा किए थे। आयोग ने तब बताया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक कुल 6,40,87,588 मतदाता मतदान केंद्र पहुंचे और अपने वोट डाले। औसतन प्रति घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के हिसाब से अंतिम दो घंटों में लगभग 116 लाख मतदाताओं का वोट डालना संभव था।

निर्वाचन आयोग ने तब कहा था कि इसके अलावा उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त किए गए मतदान एजेंटों के सामने मतदान हो रहा था। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के समक्ष जांच के समय भी किसी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई पुख्ता आरोप नहीं लगाए थे।

महंगाई से त्रस्त लोग आत्महत्या कर रहे हैं तो कैसे दूर हुई गरीबी

नई दिल्ली । कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने विश्व बैंक की रिपोर्ट को मानने से इंकार किया है जिसमें कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी की दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि जिस देश में छात्र, किसान, बेरोजगार और युवा आत्महत्या कर रहा है वहां, गरीबी कैसे दूर हो गई?

शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण इस वक्त भारत में किसान, मजदूर जूझ रहा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी ने युवाओं के साथ अन्य वर्गों की कमर तोड़ दी है। 25 करोड़ लोगों के सिर पर छत नहीं है। 500 रुपये के लिए आज भी दलित समुदाय के लोग नाले में उतरने को तैयार हैं। 500 से 700 रुपये के लिए कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले मजदूर मरने को तैयार हैं। छात्र, किसान, बेरोजगार युवा आत्महत्या कर रहे हैं। देश में ऐसी परिस्थिति है फिर कैसे कहे कि गरीबी दूर हो गई है।

राहुल गांधी की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग वाले बयान पर कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि वह बिल्कुल सही बात कह रहे हैं। सिर्फ महाराष्ट्र की जनता नहीं, इसे पूरे देश ने देखा है। लाखों वोट जोड़ दिए जाते हैं, ईवीएम में छेड़खानी की बात सामने आती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे को उठाते हैं। भाजपा और आरएसएस का काम है कि वह चुनाव को सिर्फ बाधित करते हैं।

कांग्रेस विधायक ने कहा कि पिछले 10 साल से आरएसएस-भाजपा के लोगों ने कमजोर लोगों पर सिर्फ और सिर्फ अत्याचार किया है। देश में संविधान को मानने वाले लोगों में इस बात को लेकर कोई कंफ्यूजन नहीं है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, भाजपा और आरएसएस, बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान में यकीन नहीं रखते हैं, बल्कि वह मनुस्मृति में यकीन रखते हैं। आरएसएस-भाजपा के लोग पहले भी कह चुके हैं कि बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को समुद्र में फेंक दो। हमें भारत का संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी का मैच फिक्सिंग आरोप बिल्कुल सही : उदित राज

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर एक आर्टिकल शेयर किया है और दावा किया है कि जिस तरह से महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई यह बिहार चुनाव में भी दोहराई जाएगी। क्योंकि, भाजपा जहां-जहां हारती है वहां हेराफेरी की जाती है। इस पर उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर मैच फिक्सिंग की बात बिल्कुल सही कही है।

उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी तथ्य के साथ बातचीत करते हैं। चुनाव आयोग ने समझौता किया। फर्जी वोट डाले गए, जिसका जवाब चुनाव आयोग नहीं दे पाया है। महाराष्ट्र की सरकार बेईमानों की सरकार है। इस चुनाव में ईवीएम में घोटाला हुआ है। महाराष्ट्र की सरकार जनता ने नहीं चुनी है। राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा खत्म करने वाले बयान पर उदित राज ने कहा कि पूरे देश की मांग है कि यह होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से पीएम मोदी की तारीफ किए जाने पर उदित राज ने कहा कि मैंने भी उनका भाषण सुना है। उन्होंने कहा कि जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए वह काम पीएम मोदी ने किया। लेकिन, ऐसा नहीं कहा कि जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वो काम पीएम मोदी ने किया। अच्छी बात है कि वह तारीफ कर रहे हैं। लेकिन, जब जानते हैं कि नरसिम्हा की सरकार में इस प्रोजेक्ट की नींव डाली गई थी। 150 किलोमीटर तक यह लाइन पीएम मोदी के आने से पहले बन चुकी थी। 11 साल इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में लगा। इस प्रोजेक्ट को पहले ही बन जाना चाहिए था। अगर पीएम मोदी अपने भाषण के दौरान कांग्रेस के कार्यकाल का जिक्र करते तो देश को अच्छा लगता। ऑपरेशन सिंदूर पर भाजपा की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने कहा कि जब हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दे रही थी उस वक्त हमारे विदेश मंत्री पाकिस्तान को एयर स्ट्राइक के बारे में जानकारी मुहैया करा देते हैं।

सहस्राब्दी के लिए 'टाइम कैप्सूल' में समाहित गुजरात की विरासत : पीएम मोदी की दूरदर्शी पहल

नई दिल्ली । साल 2010 में, जब इसी दिन (7 जून) गुजरात राज्य को बने 50 साल हो गए थे, उस समय राज्य के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी (जो अब भारत के प्रधानमंत्री हैं) ने एक अनोखी पहल की थी। इस पहल का उद्देश्य इतिहास को भविष्य से जोड़ना था। उन्होंने गांधीनगर के महात्मा मंदिर परिसर में एक "टाइम कैप्सूल" को धरती में दबाया। इस कैप्सूल का उद्देश्य था- गुजरात की 1960 से अब तक की यात्रा को भविष्य के लिए सहेजना। यह सन्दूक को आज से 1000 साल बाद खोला जाना है।

इस घटना को हाल ही में एक वीडियो के जरिए फिर से लोगों के सामने लाया गया। यह वीडियो ह्यमोदी स्टोरीह्न नाम के सोशल मीडिया अकाउंट ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। इसका शीर्षक था ह्नगुजरात टाइम कैप्सूल- मोदी की एक कालातीत विरासत को श्रद्धांजलि।

यह सन्दूक स्टेनलेस स्टील से बना है, जिसका वजन करीब 90 किलो है। इसे ऐसे तैयार किया गया है कि हजारों साल तक सुरक्षित रह सके। इसमें गुजरात की विकास यात्रा, उसकी संस्कृति, व्यापार, अध्यात्म और ऐतिहासिक उपलब्धियों को दशार्ने वाली चीजें रखी गई हैं।

इस कैप्सूल में कई दस्तावेज और ऐतिहासिक चीजें रखी गई हैं, जिसमें महात्मा गांधी के मार्गदर्शक सिद्धांतों, रविशंकर महाराज के ऐतिहासिक भाषण, जिसने गुजरात के निर्माण को प्रेरित किया, और राज्य के सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मील के पत्थरों का एक व्यापक वर्णन शामिल है। ये अभिलेख चार भाषाओं में अंकित हैं: गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत।

गुजरात की चौथी वित्त आयोग के अध्यक्ष यमल व्यास ने वीडियो में बताया कि यह विचार मोदी जी का था। उन्होंने कहा, "2010 में, मोदी जी ने संस्कृति को संरक्षित करने के लिए एक दूरदर्शी सुझाव दिया था। कैप्सूल में गुजरात का संक्षिप्त लेकिन विस्तृत इतिहास शामिल है, जो चार भाषाओं में लिखा गया है, साथ ही पिछले 50 वर्षों में राज्य के विकास का विस्तृत विवरण भी है।"

यहां तक ??कि स्क्रिप्ट और कागज को भी लंबे समय तक चलने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। यह दस्तावेज विशेष कागज पर छापे गए थे, जिसमें प्लास्टिक मिलाया गया था, ताकि वह बहुत लंबे समय तक खराब न हो और पढ़े जा सकें।

यह टाइम कैप्सूल केवल अतीत की याद नहीं है, बल्कि यह गुजरात की पहचान, आत्मबल और दूरदर्शिता का प्रतीक है झ जो आने वाली पीढ़ियों तक उसकी आवाज बनकर पहुंचेगा।

भविष्य के लिए मजबूत और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा बनाएं : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर देते हुए वैश्विक स्तर पर इस दिशा में प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। वह यूरोप में पहली बार आयोजित हो रहे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर" को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांसीसी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा, "मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों और फ्रांस सरकार का समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं। साथ ही आगामी संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।"

उन्होंने कहा कि तटीय और द्वीपीय क्षेत्र जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के कारण अत्यधिक खतरे में हैं। उन्होंने कहा, "इस सम्मेलन की थीम हैः तटीय क्षेत्रों के लिए एक लचीले भविष्य का निर्माण। भारत और बांग्लादेश में चक्रवात 'रेमाल', कैरेबियन में 'हैरिकेन बेरिल', अमेरिका में 'हेलीन', दक्षिण-पूर्व एशिया में 'यागी' और फिलीपींस में 'उसागी' जैसी आपदाओं से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।"

प्रधानमंत्री ने भारत की पुरानी आपदाओं की याद दिलाते हुए कहा, "भारत ने 1999 के सुपर साइक्लोन और 2004 की सुनामी की पीड़ा को झेला है। हमने इससे सीखते हुए लचीलापन अपनाया और तटीय इलाकों में चक्रवात शेल्टर बनाए। साथ ही, 29 देशों के लिए एक सुनामी चेतावनी प्रणाली विकसित करने में भी भारत ने मदद की।" भारत की वैश्विक भूमिका पर उन्होंने कहा कि "कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई)" 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ कार्य कर रही है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397